आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2004/14675

जोधपुर, जयपुर एवं अजमेर से प्रकाशित राज्य स्तरीय दैनिक

# हुक्मनामा समाचार

www.hukmnamasamachar.com

वर्ष 23 : अंक 54: मूल्य 2 रु. : पृष्ठ संख्या 8

जोधपुर, सोमवार, 16 नवम्बर, 2026

www.Lokvarta.net

# 50 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर आना आजादी के बाद भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है-मोदी

## आदिवासी गौरव दिवस समारोह




**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली से आदिवासी गौरव दिवस समारोह में वर्चुअली हिस्सा लिया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि 50 करोड़ लोगों का बहुत ज़्यादा गरीबी से बाहर आना आज़ादी के बाद भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। यह कार्यक्रम आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के मौके पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने आदिवासी समुदायों की तारीफ करते हुए कहा कि वे हमेशा अन्याय के खिलाफ खड़े हुए हैं। इस मौके पर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। इस अवस पर उन्होंने लगभग 3,000 करोड़ रुपये के 246 विकास प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन प्रोजेक्ट्स का मकसद देश भर में आदिवासी समुदायों के जीवन की क्वालिटी को बेहतर बनाना और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है।

प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि जब नक्सलियों ने आदिवासी समुदायों को वोट देने का अधिकार नहीं दिया, तो वे 'मूक दर्शक बनी रहीं'। पीएम मोदी ने कहा, 'नक्सल हिंसा के कारण आदिवासी समुदायों को सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ, जबकि पिछली सरकारों ने उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने उन आदिवासी इलाकों को डेवलप करने के लिए पूरी कोशिश की है, जहां लंबे समय से बेसिक सुविधाओं की कमी थी, और उनके डेवलपमेंट के लिए 1 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा दिए गए हैं। ये प्रोजेक्ट्स शिक्षा, हेल्थकेयर, रोजी-रोटी कमाने और कम्युनिटी इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे खास सेक्टर्स पर फोकस करते हैं, और जरूरी सर्विसेज तक पहुंच को बेहतर बनाने और आदिवासी आबादी के ओवरऑल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने पर जोर देते हैं। प्रोग्राम के तहत प्रधानमंत्री ने 173 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया, जिसमें आदिवासी स्टूडेंट्स के लिए 38 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के तहत 100 मल्टी-पर्पस सेंटर शामिल हैं।



राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ने भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की

**नई दिल्ली।** महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

### मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को 151वीं जयंती पर किया नमन

## तीन वर्षों में जनजातीय समुदाय के विकास के लिए लगभग 3 हजार 200 करोड़ रुपये का किया प्रावधान-भजनलाल शर्मा




**जयपुर (हुक्मनामा समाचार)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज ने देश की संस्कृति, परम्परा और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदियों तक संघर्ष किया है। इस समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महापुरुषों के बलिदान को सम्मान देना हम सभी का दायित्व है। राज्य सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए जनजातीय समाज के शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने रविवार को जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन को सुना। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2021 से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर शुरू किया गया जनजातीय गौरव दिवस आज राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। वहीं, जनजातीय समाज के महानायकों के योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान मिल रहा है। इसी क्रम में जनजातीय समुदाय से आने वाली द्रौपदी मुर्मू आज राष्ट्रपति के रूप में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद आसीन हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' संकल्प के तहत जनजातीय क्षेत्रों में विकास की गति बढ़ाने के साथ नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं। वहीं, पीएम-जनमन के माध्यम से जनजातीय समूहों तक बिजली, पानी, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। इसी प्रकार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से विकास की पहुंच दूरस्थ और वंचित जनजातीय क्षेत्रों तक सुनिश्चित की जा रही है।

## संक्षिप्त खबरें

### अमिताभ के घर फायरिंग की प्लानिंग, 2 शूटर अरेस्ट

**अमृतसर।** अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है।पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था। वहीं, दीपक 3 अक्टूबर को अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। दीपक सिंह अमृतसर में 3 अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। इस मामले में उसके साथ शामिल पलविंदर सिंह उर्फ काका को पंजाब पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।पुलिस पूछताछ में पता चला कि दीपक को मुंबई में ज्यादा समय तक रुकने के लिए कहा गया था। उसे अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। पुलिस के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था।

## राहुल गांधी को विदेश नहीं, गांव-गांव घूमने की जरूरत-शाह



**पुणे।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत को बदनाम करके आप कभी भी सत्ता हासिल नहीं कर पाएंगे। विदेश यात्रा करने के बजाय आपको गांव-गांव घूमने की जरूरत है। शाह ने हैदराबाद में हुई कांग्रेस की भारत समिट को लेकर राहुल गांधी को जवाब दिया है। पुणे के एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने देश को बदनाम किया है। अगर राहुल जीतना चाहते हैं तो विदेश जाना छोड़े और गांवों में जाना शुरू करें। पूरा देश यही चाहता है कि राहुल गांधी आप जमीन पर आए, गांवों में जाएं। मगर मुझे मालूम है कि अभी थोड़े दिन में ही फिर से विदेश चले जाएंगे। आपकी सत्ता की आकांक्षा इस तरह से पूरी नहीं होगी। अभी कांग्रेस पार्टी ने भारत समिट 2026 हैदराबाद में आयोजित की। देश भर में वामपंथी विचारधारा के प्रचारकों को भारत में बुलाया। कांग्रेस के राजकुमार भी वहां गए। इस समिट का नाम भी भारत समिट रखा गया था, लेकिन राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत विरोधी विचार बोलकर पूरी दुनिया में भारत को बदनाम करने का काम किया है। इस मंच से महाराष्ट्र की जनता को कहने आया हूं और देश भर के लोगों को भी कहना चाहता हूं। जहां पर भी कांग्रेसी मिलें, आप उनको पूछें कि चुनाव लड़ना, हारना, जीतना, ये पार्टी के नेताओं के परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। 10 साल का आपको मौका दिया था, 12 लाख करोड़ के घपले, घोटाले, भ्रष्टाचार किए।



# देशभर में छठ-पूजा, डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया

**नई दिल्ली।** देशभर में महापर्व छठ का आज तीसरा दिन है, व्रतियों ने पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। अब सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रविवार को लखनऊ में गोमती नदी के किनारे छठ पूजा की।वहीं, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार क्लब में सूर्य को अर्घ्य दिया। उनके साथ दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद रहे।छठ पूजा के लिए दिल्ली में करीब 1400 घाट पर तैयारियां की गई हैं। भीड़ को देखते हुए रविवार दोपहर 2 बजे से 16 नवंबर सुबह 8 बजे तक यमुना घाटों से सटे रास्तों के पास रूट डायवर्जन लागू रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक देश-विदेश से 50 लाख से ज्यादा लोग घर लौटे हैं। दिल्ली सरकार ने छठ पूजा पर 16 नवंबर को छुट्टी का ऐलान किया है।



### बिहार में 10 हजार घाटों पर छठ पूजा

**पटना।** महापर्व छठ के तीसरे दिन बिहार के 10 हजार से ज्यादा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना के घाट पर पहुंचे। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने घर पर पूजा की। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं।

## करौली में महिला से सामूहिक दुष्कर्म

### पीड़िता की हालत गंभीर, एक आरोपी गिरफ्तार

**करौली (हुक्मनामा समाचार)।** अंजनी माता मंदिर इलाके में महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। आरोप है कि वारदात के बाद पीड़िता के साथ मारपीट भी की गई। मामले में चार आरोपियों के शामिल होने की आशंका है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। शौच के लिए गई एक महिला की नजर बदहाल हालत में पड़ी पीड़िता पर पड़ी। उसने तुरंत परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे, तब तक आरोपी फरार हो चुके थे।। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भिजवाया। जल्द होगा वारदात का पर्दाफाश: एसपी लोकेश सोनवाल ने बताया कि वे स्वयं मौके पर पहुंचे हैं। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ घटनाक्रम की जानकारी ली गई है।



## सिरोही के पिंडवाड़ा-भूला में अज्ञात बीमारी से दो बच्चों की मौत

**सिरोही (हुक्मनामा समाचार)।** पिंडवाड़ा ब्लॉक के भूला क्षेत्र स्थित काला महादेव खेड़ा की छीतरिया फली में 2 बच्चों की मौत के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया। मृतकों में 10 वर्षीय एक बालक और करीब साढ़े चार वर्षीय एक बालिका शामिल हैं। बच्चों की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जानकारी मिलने पर भूला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ। सुनील कुमार गरासिया के नेतृत्व में मेडिकल टीम प्रभावित क्षेत्र में पहुंची।

**13 घरों में सर्वे कर 108 लोगों की हुई जांच:** टीम ने प्रभावित परिवारों सहित फली के 13 घरों में सर्वे कर कुल 108 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान एक अन्य बच्चे की तबीयत खराब होने की सूचना पर उसका भी उपचार करवाया गया।

### पेनल्टी कॉर्नर




### पटेला री पोल

मौसम ने अब खाई पलटी, बहने लगी सर्द हवा
लापरवाही बरतेंगे तो, लेनी पड़ेगी डॉक्टरी दवा
ठंडा पानी और ठंडी हवा, दोनों पड़ेगी अब भारी
बदल लो अब अपनी वर्दी, बात लगी चाहे मेरी खारी

..मुखिया जी

## पुलिस और गो तस्करों के बीच मुठभेड़

**नूंह।** नूंह के फिरोजपुर झिरका के सदर थाना क्षेत्र के बीमा गांव में रविवार तड़के 4.30 बजे पुलिस और गो तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई है। सीएस स्टाफ फिरोजपुर झिरका को गो तस्करी की सूचना मिली थी जिसके बाद नाकेबंदी की गई थी। पिकअप सवारों को रुकने का इशारा किया गया लेकिन उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस पर फायरिंग की। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसमें दो गोतस्करों की मौत हो गई, जबकि एक गो तस्कर घायल हैं जिनमें से एक की हालत गंभीर है। क्रॉस फायरिंग में एक पुलिसकर्मी हितेश के हाथ में भी गोली लगी है। कट्टे, कारतूस बरामद : मृतकों की पहचान गब्बर उर्फ हड़िया निवासी दौसा राजस्थान और साबिर पुत्र शेर मोहम्मद निवासी बीमा गांव, फिरोजपुर झिरका, नूंह के रूप में हुई है।

## कश्मीर-उत्तराखंड में बर्फबारी, दिल्ली-राजस्थान में बूंदाबांदी

### यूपी में कोहरा, एमपी के 19 शहरों में ठंड

**नई दिल्ली।** कश्मीर और उत्तराखंड के कई इलाकों में शनिवार की रात बर्फबारी हुई। इससे रविवार को मैदानी इलाकों में ठंड पड़ने लगी है। हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में अगले दो दिन बर्फबारी की संभावना है।दिल्ली और राजस्थान में हुई हल्की बारिश से मौसम में ठंडक आ गई है।

दिल्ली के अलावा 10 जिलों में बादल छाए हैं। यहां हल्की बारिश का यलो अलर्ट है।मध्य प्रदेश के 19 जिलों में पारा 15 डिग्री से कम है। अनूपपुर के अमरकंटक में सबसे कम 10.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।इधर, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बना कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। इससे 16 नवंबर की शाम तक चक्रवाती तूफान बन सकता है। चक्रवात बना तो इसका नाम 'अकवान' रखा जाएगा। यह नाम ईरान ने सुझाया है। यह एक महीने में बंगाल की खाड़ी से उठा तीसरा तूफान होगा।



## भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश मंत्री ने किया दौरा



**भोपालगढ़ (हुक्मनामा समाचार)।** भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री कासमअली राठौड़ रविवार को भोपालगढ़ पहुंचने पर स्थानीय मुस्लिम समाज ने स्वागत किया। राठौड़ ने बस स्टैण्ड स्थित लालशाह पीरबाबा की दरगाह शरीफ में चादर पेश कर देश में अमन-चैन व खुशहाली की दुआएं मांगी।इसी दौरान आदर्श कॉलोनी में फारूक खान बारनी खुर्द के घर पर स्वागत किया गया।इस दौरान दरगाह शरीफ के पेश इमाम हजरत पिरबख्श खान, फारुख खान बारनी,मङ्कू बाब जी,अशरफ खान, सुलेमान जी चिश्ती व गुलाब मालहण समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता व अल्पसंख्यक वर्ग के लोग मौजूद थे।

## मां कि स्मृति में अनाथाश्रम फल वितरित किए

**पीपाड़ शहर (हुक्मनामा समाचार)।** भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति जोधपुर जिलाध्यक्ष महेश धायल कि मां कि तीसरी पुण्यतिथि पर श्री ऊ बन्ना अनाथाश्रम मड?लनाथ पहुंचकर नन्हे नन्हे बच्चो को फल वितरित किए ऊ बन्ना टांईगर फोर्स प्रदेशाध्यक्ष माधु सिह ऊदट कि मौजूदगी मे 21किलो फल वितरित किए जलदाय विभाग कर्मचारी घेवर राम विश्नोई, समाज सेवी मुकेश गहलोत सहित अन्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

## आज से बदलेगा रानीखेत एक्सप्रेस का समय, फलोदी में अब सुबह 4:55 बजे पहुंचेगी ट्रेन

**फलोदी (हुक्मनामा समाचार)।** जैसलमेर-काठगोदाम के बीच संचालित रानीखेत एक्सप्रेस का संचालन समय सोमवार, 16 नवंबर से बदलने जा रहा है। रेलवे द्वारा परिचालनिक कारणों से जारी नई समय-सारणी के अनुसार ट्रेन के कई स्टेशनों पर आगमन एवं प्रस्थान समय में बदलाव किया गया है। इसका असर फलोदी रेलवे स्टेशन पर भी पड़ेगा।

नई समय-सारणी के अनुसार ट्रेन संख्या 15013 जैसलमेर-काठगोदाम रानीखेत एक्सप्रेस अब जैसलमेर से रात 2:40 बजे के स्थान पर 2:15 बजे रवाना होगी। इसके बाद पोकरण सुबह 3:35 बजे, रामदेवरा 4:17 बजे और फलोदी रेलवे स्टेशन पर सुबह 4:55 बजे पहुंचेगी। लोहावट में ट्रेन का आगमन सुबह 5:30 बजे निर्धारित किया गया है।

वहीं, राई का बाग स्टेशन पर सुबह 7:48 बजे और जोधपुर रेलवे स्टेशन पर सुबह 8:05 बजे ट्रेन पहुंचेगी तथा 8:15 बजे काठगोदाम के लिए रवाना होगी। पहले जोधपुर से इसके प्रस्थान का समय सुबह 8:30 बजे था। इस प्रकार जोधपुर से ट्रेन अब 15 मिनट पहले रवाना होगी।

सीनियर मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव के अनुसार ट्रेन के आगे के स्टेशनों पर भी समय में आंशिक बदलाव किया गया है। भगत की कोठी में सुबह 8:30 बजे, लूनी में 9:05 बजे और पाली मारवाड़ में 9:40 बजे पहुंचेगी। मारवाड़ जंक्शन पर सुबह 10:20 बजे आगमन और 10:40 बजे प्रस्थान होगा। जयपुर में दोपहर 2:55 बजे पहुंचकर 3:05 बजे रवाना होगी।

रेलवे की नई समय-सारणी 16 नवंबर से प्रभावी होगी। ऐसे में फलोदी सहित मार्ग के अन्य स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन का संशोधित समय अवश्य जांच लें।

### पुष्करणा समाज की 123 मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान

# प्रतिभाओं को मिला प्रोत्साहन और युवाओं को मिला आगे बढ़ने का संदेश



**पुष्करणा रत्न एवं बिजनेस टाइकून सम्मान से भी नवाजी गईं समाज की विभूतियां, व्यासों की बगीची में प्रतिभा, शिक्षा और उत्साह का दिखा संगम, पढ़ेगा पुष्करणा, आगे बढ़ेगा पुष्करणा**

**फलोदी (हुक्मनामा समाचार)।** श्री फलवृद्धिका शैक्षणिक विकास समिति, फलोदी के तत्वावधान में रविवार, 15 नवंबर को पुष्करणा प्रतिभा सम्मान समारोह-03 एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह भव्यता और हर्षोल्लास के साथ व्यासों की बगीची में आयोजित किया गया। शाम 4 बजे शुरू हुए इस समारोह में शिक्षा, उद्योग, व्यवसाय एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली समाज की विभूतियों के साथ 123 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में समाज के युवाओं ने अपनी प्रतिभा, ऊर्जा और उत्साह का शानदार प्रदर्शन किया।

पूरा आयोजन शिक्षा, सामाजिक एकता और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के संकल्प का साक्षी बना।

### अतिथियों ने कहा- शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी ताकत

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामकिशन पुरोहित रहे। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. सतीश पुरोहित तथा विशिष्ट अतिथियों के रूप में जतिन/दिनेश जोशी, लक्ष्मीकांत बोहरा, कन्हैयालाल छंगाणी एवं किशोर बोहरा ने शिरकत की। अतिथियों ने अपने संबोधन में श्री फलवृद्धिका शैक्षणिक विकास समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

अतिथियों ने कहा कि समाज के पास सबसे बड़ा हथियार विद्या है। शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति अपनी पहचान स्थापित कर सकता है और समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। उन्होंने युवाओं से लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने तथा शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। साथ ही जयपुर एवं दिल्ली जैसे बड़े शहरों में समाज के विद्यार्थियों के लिए ठहरने एवं बेहतर शिक्षा प्राप्त कर अपना करियर बनाने के उद्देश्य से सुविधाजनक स्थान और व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

### 123 विद्यार्थियों को मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार से सम्मान

समिति सचिव सीए उमेश व्यास ने बताया कि समारोह में कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों सहित सीए फाउंडेशन में सफल विद्यार्थियों, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित अभ्यर्थियों तथा सरकारी सेवाओं में सफलता हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा समाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों का भी सम्मान किया गया। सभी सम्मानित प्रतिभाओं को मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। आईएएस मयंक पुरोहित सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली प्रतिभाओं की उपलब्धियों को भी समारोह में विशेष रूप से सराहा गया।

### मरणोपरांत रायबहादुर सांगीदास थानवी को पुष्करणा रत्न सम्मान

समारोह का विशेष आकर्षण समाज के सर्वोच्च सम्मान 'पुष्करणा रत्न-2026' एवं 'पुष्करणा बिजनेस टाइकून-2026' का वितरण रहा। इस वर्ष मरणोपरांत पुष्करणा रत्न-2026 सम्मान दिवंगत रायबहादुर सांगीदास जी थानवी की स्मृति को समर्पित किया गया। यह सम्मान उनके परिवारजनों मांगीलाल थानवी, कमलकिशोर थानवी, गोपाल थानवी सहित परिजनों को सौंपा गया। वहीं उद्यम एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले रामकिशन पुरोहित को 'पुष्करणा बिजनेस टाइकून-2026' सम्मान से नवाजा गया।

### फलोदी में हीमोफीलिया जागरूकता कार्यशाला आयोजित

## 90 से अधिक मरीजों और परिजनों ने लिया भाग

**विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आधुनिक उपचार, नियमित देखभाल और आनुवांशिक कारणों की दी जानकारी**

**फलोदी (हुक्मनामा समाचार)।** हीमोफीलिया सोसायटी चैप्टर जोधपुर एवं जिला अस्पताल फलोदी के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को हीमोफीलिया जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अस्पताल फलोदी के पीएमओ एवं मुख्य अतिथि डॉ. अभिषेक अग्रवाल ने मां सरस्वती के पूजन के साथ किया। कार्यशाला में जिला अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम प्रकाश सुथार एवं डॉ. हाशम खान ने हीमोफीलिया फैक्टर के स्टॉक एवं रखरखाव की जानकारी दी। वहीं जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल के हिमेटोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. गोविन्द पटेल ने बीमारी, व्यवस्थित उपचार, नियमित देखभाल एवं आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। पीडियाट्रिक विशेषज्ञ डॉ. विकास कटेवा ने हीमोफीलिया के आनुवांशिक रूप से अगली पीढ़ी में पहुंचने की प्रक्रिया, रोकथाम एवं कैरियर टेस्टिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। एम्स जोधपुर के बाल चिकित्सा हेमेटो-ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. सियाराम डिडेल ने आधुनिक थैरेपी एवं उपचार पद्धतियों की जानकारी दी। एसएमएस अस्पताल जयपुर के हेमेटोलॉजिस्ट डॉ. विष्णु शर्मा वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े। कार्यशाला में देचू अस्पताल से डॉ. हिरालाल, डॉ. कार्तिक सहित चिकित्सक एवं नर्सिंगकर्मी तथा अन्य चिकित्सा सहयोगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में करीब 90 से अधिक हीमोफीलिया पीड़ित मरीजों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों से सीधे संवाद कर उन्होंने बीमारी, उपचार और भविष्य में बरती जाने वाली सावधानियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस अवसर पर हीमोफीलिया सोसायटी चैप्टर जोधपुर के अध्यक्ष मदनलाल लखानी, सचिव कमलेश भाटी, उपाध्यक्ष किशनलाल एवं यूथ लीडर किशोर राम सहित सोसायटी के सदस्य मौजूद रहे।

### विश्व हिंदू परिषद के हितचिंतक अभियान का आगाज 17 नवंबर से, मां लटियाल मंदिर से होगी शुरुआत

**फलोदी (हुक्मनामा समाचार)।** विश्व हिंदू परिषद की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर 17 नवंबर से 6 दिसंबर तक हितचिंतक अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के पुरोधा श्रद्धेय अशोक जी सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष को समर्पित रहेगा। विहिप जिलाध्यक्ष जयप्रकाश गुचिया ने बताया कि फलोदी में अभियान का शुभारंभ मां लटियाल मंदिर से किया जाएगा। अभियान के तहत कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर विहिप के कार्यों एवं विचारों का प्रचार करेंगे तथा नए हितचिंतक बनाएंगे। अभियान का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित, जागरूक और सशक्त बनाना है। इसके तहत देशभर में एक करोड़, जोधपुर प्रांत में 10 लाख तथा फलोदी जिले में 51 हजार हितचिंतक बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

## भोपालगढ़ में युवा विरासत महोत्सव का शुभारंभ, युवाओं में दिखा उत्साह



**भोपालगढ़ (हुक्मनामा समाचार)।** राजस्थान युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित युवा विरासत महोत्सव कार्यक्रम के तहत प्रदेश स्तरीय कल विचार, इतिहास, युवा संवाद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कशाचा मंच के अंतर्गत आज भोपालगढ़ युवा कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं गांधी दर्शन समिति के जिला संयोजक शिवकरण सैनी ने कहा कि राजस्थान प्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा युवाओं को रचनात्मक एवं सामाजिक कार्यों से जोड़ने के लिए की गई यह पहल अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं को रचनात्मक कार्यों के माध्यम से युवा कांग्रेस से जुड़ने का अवसर मिलेगा और वे समाज व राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे।

इस अवसर पर युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव बंसीलाल देवड़ा, भोपालगढ़ युवाकांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष कांग्रेस, मनोहर मेघवाल, पूर्व जिला महासचिव महेंद्र प्रताप देवड़ा ,युवा काँग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष दौलत राम सरगरा सहित अनेक युवा कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवाओं ने विरासत, इतिहास और संस्कृति पर अपने विचार रखे तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

## रानी पद्मावती शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान की प्रतिमूर्ति थीं : चंद्रकला आचार्य



**फलोदी (हुक्मनामा समाचार)।** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, विद्यालय शिक्षा, जिला फलोदी के तत्वावधान में नगर परिषद टाउन हॉल में जिला महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्रदेश सचिव महिला चंद्रकला आचार्य ने रानी पद्मावती के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उन्हें शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान की प्रतिमूर्ति बताया। उन्होंने मेवाड़ के ऐतिहासिक जौहर की गाथा का भी वर्णन किया। प्रथम सत्र में ऊषा तिवाड़ी ने संगठनात्मक संरचना पर विचार रखे। तृतीय सत्र में जिला संगठन मंत्री सुशीला विश्नोई ने शिक्षिकाओं की समस्याओं एवं संस्कारहीनता से संस्कार की ओर विषय पर संबोधन दिया। सम्मेलन में प्रदेश महामंत्री महेंद्र लखारा संभलनकर्ता रहे। जिले के सभी खंडों से 197 शिक्षिकाओं ने पंजीयन करवाया। कार्यक्रम का संचालन जिला महिला मंत्री नेहा शर्मा एवं नीतू कंवर भाटी ने किया।

### माजीसा के भजनों पर देर रात तक झूमे श्रद्धालु, भक्ति के रंग में रंगा भीनमाल

## 'एक शाम माजीसा के नाम' भजन संध्या में उमड़ा जनसैलाब, महावीर सांखला व दिव्या वैष्णव ने बांधा समां



**भीनमाल (हुक्मनामा समाचार)।** शहर की माहेश्वरी कॉलोनी में माहेश्वरी माजीसा भक्त मंडल की ओर से आयोजित 'एक शाम माजीसा के नाम' विशाल भजन संध्या श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं ने भाग लिया। माजीसा के जयकारों से पूरा पांडाल गूंज उठा और श्रद्धालु देर रात तक भजनों पर झूमते रहे।

भजन संध्या का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके बाद प्रसिद्ध भजन गायक महावीर सांखला पार्टी एवं जोधपुर की गायिका दिव्या वैष्णव ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने गुरुवाणी एवं माजीसा की महिमा से जुड़े भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तिमय माहौल बना दिया।

'माजीसा म्हारी ए आड़ो खोल', 'तेरस की है रात' और 'राणो ढोल बजावे' सहित अनेक लोकप्रिय भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर नजर आए। वहीं घूमर, भोमियाजी एवं सवाईसिंहजी रणबंका राठौड़ की वीरगाथा से जुड़े भजनों ने भी श्रोताओं में विशेष उत्साह भर दिया। सांवरिया सेठ, रामापीर एवं भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से जुड़े भजनों पर भी श्रद्धालुओं ने खूब आनंद लिया। कलाकारों ने अपनी गायन शैली से देर रात तक समां बांधे रखा।

**समाजबंधुओं की रही सहभागिता**

कार्यक्रम में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सांवलाराम देवासी, रणछोड़राम राजपुरोहित, माहेश्वरी समाज के पूर्व तहसील अध्यक्ष महादेव राठी, होतचंद, पीताम्बरदास कड़वा, रविशंकर, दुर्गाशंकर, ओमप्रकाश माहेश्वरी, नरेश राठी, लूणकरण राठी, दिनेश चांडक, अर्जुन राठी, मुकेश शारदा, जीतेंद्र कड़वा, रमेश एल. राठी, राजेश राठी, सुरेश शारदा, किशोर मुंहता, भंवरलाल भूतड़ा, अनिल सूरत, विनोद राठी, चमनलाल गीगल, अरविंद शारदा, राकेश कुमार, किशोर कुमार, सुभाष कुमार, मनीष गीगल, अमृत राठी, दिलीप कुमार, संजय कुमार, मुकेश माहेश्वरी, सवाई कुमार, मनोज कड़वा, हरीश कुमार, रमेश गीगल, सुनील गिगल, अरविंद कुमार (रानीवाड़ा), सुरेश कुमार (जसवंतपुरा), रमेश कुमार (सांचौर), ललित सोनी एवं विकास नागर सहित माहेश्वरी माजीसा भक्त मंडल के सदस्य और सैकड़ों समाजबंधु उपस्थित रहे।

## 330 से अधिक लोगों की भागीदारी से गूंजा बालोतरा, 'द इम्पैक्ट रन 2026' ने दिया स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

**बालोतरा (हुक्मनामा समाचार)।** शहर में रविवार की सुबह स्वास्थ्य, उत्साह और सामाजिक जागरूकता के नाम रही। रोटरी क्लब बालोतरा की ओर से सर्वाइकल कैंसर जागरूकता के उद्देश्य से आयोजित 'द इम्पैक्ट रन 2026' में 306 पूर्व पंजीकरण तथा 25 से अधिक मौके पर हुए पंजीकरण के साथ 330 से अधिक लोगों ने सहभागिता की। आयोजन ने यह संदेश दिया कि सामाजिक बदलाव की शुरुआत सामूहिक भागीदारी से होती है।

सुबह 5:30 बजे से ही रोटरी सदस्य आयोजन स्थल महावीर कॉलोनी, खेड़ रोड पर व्यवस्थाओं में जुट गए। प्रतिभागियों को टी-शर्ट एवं पहचान पत्र वितरित किए गए तथा सामूहिक व्यायाम के बाद अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट श्री भुवनेश्वर सिंह चौहान, आयकर अधिकारी श्री भंवर सिंह एवं जिला परिवहन अधिकारी श्री भगवानाराम गेहलोत सहित उपस्थित अतिथियों ने गुलाबी झंडियां लहराकर दौड़ का शुभारंभ किया गया। गुलाबी रंग महिला स्वास्थ्य जागरूकता का प्रतीक रहा। शुभारंभ कार्यक्रम का संचालन करते हुए पूर्व सह प्रांतपाल ओम प्रकाश बांठिया ने आयोजन के संदर्भ में भूमिका प्रस्तुत की। दौड़ मार्ग पर रोटरी सदस्यों ने स्वयंसेवकों के रूप में दिशा-निर्देशन, पेयजल और सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली। पुलिस विभाग एवं प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग दिया। प्रतिभागियों का उत्साह बनाए रखने के लिए मार्ग पर देशभक्ति गीतों और आवश्यक निर्देशों के साथ वाहन की व्यवस्था की गई। ड्रोन से भी आयोजन का दृश्यांकन किया गया। समापन स्थल पर रोटरी सदस्यों एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहनों की टीम ने वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से परिणामों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने में सहयोग दिया। आजाद वे ब्रिज, खेड़ रोड स्थित समापन स्थल पर आयोजित समारोह में पचपदरा विधायक डॉ. अरुण चौधरी मुख्य अतिथि तथा भाजपा जिला अध्यक्ष श्री भरत कुमार मोदी ,विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों का साफा, माला एवं स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया गया।

क्लब सचिव सीए अभिषेक जिंदल ने मंच संचालन के साथ आयोजन की परिकल्पना और सर्वाइकल कैंसर जागरूकता को इसका केंद्र चुनने का उद्देश्य भी बताया। उन्होंने कहा कि इस पहल का लक्ष्य महिलाओं के स्वास्थ्य, एचपीवी टीकाकरण, समय पर जांच और बचाव के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय खंडेलवाल ने अपने संबोधन में सर्वाइकल कैंसर, एचपीवी संक्रमण, टीकाकरण, संभावित लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी।

प्रतियोगिता में तीन आयु वर्गों में महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग मुकाबले हुए। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को चांदी के सिक्के देकर सम्मानित किया गया तथा 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी प्रतिभागियों को विशेष उपहार दिए गए। आयोजन का विशेष आकर्षण आयकर अधिकारी श्री भंवर सिंह रहे, जिन्होंने स्वयं दौड़ में भाग लेकर 50 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

### मतदाता जागरूकता को लेकर जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में होंगी निबंध एवं क्विज प्रतियोगिताएं

**फलोदी (हुक्मनामा समाचार)।** लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से फलोदी जिले के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में निबंध एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। निर्वाचन साक्षरता क्लब के माध्यम से आयोजित होने वाली इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थी 'शुद्ध मतदाता सूची की महत्ता' और 'मतदान का महत्व' विषय पर अपनी प्रतिभा और ज्ञान का प्रदर्शन करेंगे। जिला स्वीप समन्वयक एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौतम राम चौधरी ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

निबंध प्रतियोगिता में महाविद्यालय स्तर पर 800 से 1200 शब्द तथा विद्यालय स्तर पर 500 से 800 शब्दों की सीमा निर्धारित की गई है।

## गौमाता के मस्तिष्क में ब्रह्मा जी वास होता है - संत गोविन्द राम शास्त्री



**पीपाड़ शहर में गौ माता कथा का शुभारंभ, कलश यात्रा में उमड़ी महिलाएं, पालिकाध्यक्ष ने किया तुलादान**

**पीपाड़ शहर (हुक्मनामा समाचार)।** शहर स्थित हनुमान गौशाला सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार से तीन दिवसीय गौ माता कथा एवं गौ अन्नकूट प्रसाद महोत्सव का शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिन रविवार को माहेश्वरी भवन से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में मंगल कलश धारण कर भाग लिया। कलश यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल हनुमान गौशाला पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल नजर आया।कथा के प्रथम दिन सुप्रसिद्ध कथावाचक खेड़ापा के गोविंदराम शास्त्री महाराज ने गौ माता की महिमा और गौ सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है तथा गौमाता के मस्तिष्क में साक्षात ब्रह्म जी भी वास होता है।उन्होंने श्रद्धालुओं को गौ माता की सेवा, संरक्षण और संवर्धन के लिए आगे आने का आह्वान किया। साध्वी कपिला सरस्वती दीदी ने भी कथा वाचन करते हुए विभिन्न प्रसंगों पर प्रकाश डाला।कथा के दौरान पालिकाध्यक्ष आशा देवी कच्छवाह ने तुला दान करके गौ सेवा का संकल्प लिया।

# जनजातीय समाज की संस्कृति का संरक्षण करना सभी का दायित्व : राठौड़

## भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर भाजपा का श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं और विरासत का संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। पूर्व उपराष्ट्रपति एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत ने भी जनजातीय क्षेत्रों के विकास और वहां के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए। इसी प्रकार पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में एकल विद्यालय सहित जनजातीय समाज के शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान से जुड़े अनेक कार्यों को गति प्रदान की गई। जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास ही राष्ट्र के समग्र विकास को मजबूत आधार प्रदान करता है।

वे भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जोधपुर शहर की ओर से रविवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी परिसर में पुष्पांजलि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राठौड़ ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में अपने अदम्य साहस, संघर्ष और दृढ़ इच्छाशक्ति से जनजातीय समाज में नई चेतना एवं जागृति का संचार किया। उन्होंने अपनी संस्कृति, परंपराओं, सामाजिक अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका जीवन राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान, त्याग और समाज जागरण का अनुपम उदाहरण है।



कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री अजय कुमार एवं प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, महापौर प्रसन्नचंद मेहता ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, उप महापौर विजय सिंह पंवार, पूर्व विधायक शंकर सिंह राजपुरोहित, पूर्व महापौर घनश्याम ओझा, पूर्व जिलाध्यक्ष जगतनारायण जोशी, नरेन्द्र कच्छवाह, जिला महामंत्री ओमप्रकाश दहिया, प्रतिपाल सिंह वालेचा,कार्यक्रम संयोजक सुनील भाटी, पवन आसोपा,सह-संयोजक दीपक राजोरिया,राजीव बारासा,सुरेंद्र देवड़ा, राणाराम,महेश चौहान,रामस्वरूप कडव,मंजू भील, गुडी भील एवं मनीष पुरोहित, सुभाष गहलोत, मुकेश दवे, घनश्याम वैष्णव, राजेंद्र बोराणा, वरुण धाणदिया, शिवकुमार सोनी, परसराम तिवाड़ी, रवि गहलोत,कैलाश गौड़ सहित,गीता भाटी, नीलम मुंदड़ा, सोनिया रामचंदानी,अनुराग भोजवानी, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## आग से लाखों का कपास खाक, कड़ी मशक्कत के बाद पाया

**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** आसोप में रविवार दोपहर श्री सालासर बालाजी इंडस्ट्रीज की कपास फैक्ट्री में आग लग गई। इसमें लाखों रुपए कीमत का कपास जल गया। आग पर समय रहते काबू पा लिया गया और फैक्ट्री के दूसरे हिस्सों को बचा लिया गया।



घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। फैक्ट्री संचालक बाबूजी कासट ने बताया कि परिसर में रखे कपास के ढेर से अचानक धुआं उठने लगा। कुछ ही देर में आग फैल गई। सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश शुरू की। ग्रामीणों ने पानी के टैंकर, पाइप और बोरवेल की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। आसोप पुलिस थाने से हेड कांस्टेबल इंदिरा चौधरी, कांस्टेबल महेंद्र गोदारा, किशन सैनी और अशोक कुमार पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने भीड़ को संभाला और बचाव काम में मदद की। भोपालगढ़ नगर पालिका की दमकल भी मौके पर पहुंची। दमकल चालक महिपाल भंवरिया, फायरमैन हड़मान सिंह सारण और रमेश धडिया ने ग्रामीणों के साथ मिलकर आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण फिलहाल पता नहीं चला है।

## अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** सडक़ पर अचानक आवारा जानवर के आने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों हादसे पशु को बचाने के प्रयास में हुए। पहला मामला जोधपुर-जैसलमेर हाईवे का है। बालोतरा जिले के रहने वाले राजुसिंह ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा तनुसिंह (20) अपने साथी ईश्वरसिंह के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था। जैसलमेर रोड पर स्थित हनुमान का बाडिया के पास अचानक मोटरसाइकिल के सामने एक आवारा पशु आ गया। पशु को बचाने के चक्कर में मोटरसाइकिल से नियंत्रण छूट गया और बाइक बेकाबू होकर पास की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तनुसिंह की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं विवेक विहार थाना क्षेत्र के ई-सेक्टर में भी दुर्घटना में युवक की मौत का मामला सामने आया है। प्रदीप रावल ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि उसका भाई अजय पाल रावल (24) भगतासनी हाउसिंग बोर्ड से अपनी मोटरसाइकिल लेकर सांगरिया गांव जा रहे थे। रास्ते में अचानक सामने एक नीलगाय आ गई। नीलगाय को बचाने के चक्कर में मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया और स्लिप हो गई। हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण अजय पाल की मौके पर ही मौत हो गई।

## क़ुरैश कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सनोबर का जोधपुर आगमन पर किया स्वागत



**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** क़ुरैश कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सनोबर अली क़ुरैशी के रविवार को निजी कार्यक्रम पर जोधपुर आगमन पर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

इस अवसर पर मीडिया को सम्बोधित करते हुए क़ुरैशी ने क़ुरैश समाज के लोगों के धंधे मे साप्ताहिक अवकाश के बारे सरकारी आदेश की पालना करने की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने क़ुरैश समाज के लोगों को समय- समय पर जारी सरकारी आदेश की पालना पर जोर दिया। इसके अलावा समाज के विभिन्न मुद्दों पर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर क़ुरैश कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल क़य्यूम क़ुरैशी ने कहा कि समाज मे व्याप्त कुरीतियों को त्यागकर समाज को बालिका शिक्षा पर जोर देना चाहिए। इस अवसर पर क़ुरैशी समाज के सद्दीक भाटी,एडवोकेट उमर क़ुरैशी, मोहम्मद इरफान क़ुरैशी,मोहम्मद इमरान दीना,सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

### जोधपुर में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र मेगा शिविर आज

## रेल पेंशनभोगियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की भी रहेगी सुविधा

**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर मंडल राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 5.0 के अंतर्गत 16 नवंबर 2026 को प्रात: 10:00 बजे से ऑफिसर्स क्लब, जोधपुर में रेल पेंशनभोगियों के लिए मेगा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र शिविर आयोजित करेगा। यह अभियान भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग और रेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य पेंशनभोगियों को डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की सुविधा देना और पेंशन संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक पी.एल. मीना के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे। संबंधित बैंकों के प्रतिनिधि और रेलवे के अधिकारी व कर्मचारी पेंशनभोगियों को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन देंगे।

शिविर में पेंशनभोगियों एवं उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी रहेगी। जो पेंशनभोगी अधिक आयु, अस्वस्थता या शारीरिक अक्षमता के कारण शिविर स्थल तक नहीं आ सकते, उनके घर जाकर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने की विशेष व्यवस्था की गई है।

पेंशन का भुगतान बिना रुकावट जारी रखने के लिए हर पेंशनभोगी को प्रतिवर्ष जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होता है। पहले इसके लिए बैंक या कार्यालय में स्वयं उपस्थित होना पड़ता था, जो विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के वरिष्ठ नागरिकों के लिए असुविधाजनक था। आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन से अब पेंशनभोगी अपने स्मार्टफोन से कुछ ही मिनटों में जीवन प्रमाण पत्र बना सकते हैं, जो सीधे पेंशन वितरण एजेंसी तक पहुंच जाता है।

जोधपुर मंडल ने सभी रेल पेंशनभोगियों से अपील की है कि वे 16 नवंबर को ऑफिसर्स क्लब, जोधपुर पहुंचकर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनवाएं और नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा का लाभ उठाएं।

## सनातन धर्म हमें सच्ची राह दिखाता है - स्वामी भगत प्रकाश

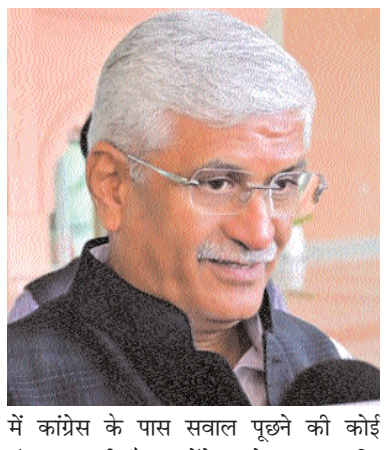


**जोधपुर( हुक्मनामा समाचार )।** ज्वाला विहार, झूलेलाल मार्ग स्थित प्रेम प्रकाश आश्रम में कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । आश्रम के पांचवे गादेश्वर अमरापुर दरबार के सदगुरु स्वामी भगत प्रकाश का 4 वर्ष बाद जोधपुर पधारने पुराने प्रेम प्रकाश मंदिर में भव्य स्वागत किया गया । तत्पश्चात आश्रम में सैकड़ों श्रद्धालु भक्तजनों की उपस्थिति में स्वामी ने अपने प्रवचनों में कहा कि सनातन धर्म ही हमे सच्ची राह दिखाता है। सनातन धर्म हम सबका आधार है। हमें सदा सेवा, सदभावना , सिमरन करना चाहिए। कार्तिक के इस पावन महीने में सदा पुण्य के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। सेवादारी अशोक मूलचंदानी ने बताया कि प्रात: शोभा यात्रा निकाली गई ।आश्रम में झंडारोहण कर सदगुरु स्वामी टेऊ राम जी की जयकारा की गई।दोपहर को साईं जीतूराम की देखरेख में बाहर से आए अन्य संतजनों संत हरि ओम लाल, साईं डालूराम, संत कुमार लाल भजनों से छठा बिखेरी। इस अवसर पर पूरे आश्रम को फूलों व रंगोली से सजाया गया । इसी धार्मिक आयोजन में 16 नवंबर को प्रेम प्रकाश ग्रन्थ,भागवत गीता के पाठों का भोग लगेगा, व स्वामी भगत प्रकाश द्वारा सत्संग व कीर्तन होगा। तत्पश्चात आम भंडारा होगा।

# जेएम घोटाले पर कांग्रेस के सवालों का नैतिक आधार नहीं : केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

## केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने विपक्षी दल पर साधा निशाना

**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राजस्थान में जल जीवन मिशन (जेजेएम) में कथित भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन में जिस तरह की लापरवाही और कथित मिलीभगत के चलते घोटाला हुआ, उसके बाद कांग्रेस के पास इस मुद्दे पर सवाल खड़े करने का नैतिक आधार नहीं बचता। इस मामले में तत्कालीन मंत्री कई महीनों तक जेल में रहे और अभी भी अनेक अधिकारी तथा ठेकेदार जेल में हैं। रविवार को दिल्ली से जोधपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। शेखावत से जल जीवन मिशन को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है कि कांग्रेस नेताओं ने इस मामले में क्या प्रश्न खड़े किए हैं, लेकिन वे नहीं मानते कि इस प्रकरण



में कांग्रेस के पास सवाल पूछने की कोई गुंजाइश बची है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में राजस्थान में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में हुई लापरवाही और कथित मिलीभगत के कारण बड़ा घोटाला सामने आया था। इस प्रकरण में तत्कालीन मंत्री को कई महीनों तक जेल में रहना पड़ा। अनेक अधिकारी और ठेकेदार भी जेल में हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना और हर घर तक नल से जल उपलब्ध कराना था, उसके क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार के आरोप गंभीर विषय हैं। ऐसे मामलों में जवाबदेही तय होनी चाहिए।

**सुरक्षा और स्थिरता से अर्थव्यवस्था को गति-** देश की आर्थिक प्रगति पर शेखावत ने कहा कि भारत में सुरक्षा, शांति और स्थिरता का माहौल आर्थिक विकास को गति दे रहा है। वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई चेन में व्यवधान के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति बनाए हुए है। शेखावत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव के अनुरूप भारत में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की सांस्कृतिक बैठक आयोजित की जा रही है। प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन करेंगे। बैठक में सदस्य देशों के अलावा साझेदार और पर्यवेक्षक देशों को भी आमंत्रित किया गया है। कुल 22 देशों के संस्कृति मंत्रियों और प्रतिनिधियों को निमंत्रण भेजा गया है तथा 15 से अधिक देशों ने भागीदारी की पुष्टि की है।

## महामंदिर शिव बाड़ी में मनाया अन्नकूट महोत्सव

**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** महामंदिर शिव बाड़ी में श्री महालक्ष्मी का अन्नकूट महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया।

प्रवक्ता ओमप्रकाश दवे ने बताया कि इस अवसर पर महामंदिर क्षेत्र निवासी सभी बन्धुगण एवं भक्तों ने अपनी श्रद्धा अनुसार विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, नमकीन, फल व ड्राईफ्रूट्स अर्पित किये एवं घर के बनाए हुए विभिन्न प्रकार की मिठाई यथा लापसी, हलवा व सब्जी, पुडिय़ां, साकिया, पापडी व अन्य सामग्री भेंट की।

तदोपरान्त सभी प्राप्त प्रसाद को सुंदर ढंग से सजाकर श्री महालक्ष्मी के अन्नकूट का भोग लगाया गया। मन्दिर की सजावट की गयी। तत्पश्चात श्री महालक्ष्मी की स्तुति व महादेवजी की



आरती कैलाश श्रीमाली व समस्त भक्तगणों द्वारा भक्तिभाव से की गयी। आरती पश्चात सभी उपस्थित भक्तगणों को प्रसाद वितरित किया गया।

इस उत्सव में समाज के पूर्व अध्यक्ष भगवती लाल दवे, सचिव मधु सुदन दवे, अनिल दवे कोषाध्यक्ष, ओम प्रकाश दवे प्रवक्ता, उपाध्यक्ष नरेश दवे, अशोक जोशी, सत्य नारायण दवे, सत्य नारायण बोहरा, तेज प्रकाश दवे, सुरेश त्रिवेदी, शशिकान्त दवे, जगदीश व्यास, सुरेन्द्र दवे, महिला मण्डल की अध्यक्ष उर्मिला त्रिवेदी, डा मन्जू जोशी, अन्जना जोशी, सरला दवे, निर्मला दवे युवा मंडल अध्यक्ष अंकित अवस्थी, अनिरुद्ध दवे, रितेश दवे, नीरज जोशी व समाज के महिला व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

### ट्रक ड्राइवर पर जानलेवा हमला

## सोते समय एक दर्जन से अधिक बदमाशों ने पीटा, तोड़फ़ोड़ की

**जोधपुर।** शहर में एक ट्रक ड्राइवर युवक पर एक दर्जन से अधिक बदमाशों ने सरिया, लाठी और पत्थरों से हमला कर दिया। घटना 13 नवंबर को विवेक विहार थाना क्षेत्र के मोगड़ा स्थित सीटीसी होटल पर रात को करीब 9.40 बजे हुई। हमले में ट्रक ड्राइवर पीराण खां के पैर में चोट आई है। पुलिस के अनुसार आपसी लेनदेन का मामला हो सकता है। फलोदी जिले के बाप थाना क्षेत्र के देदामरी के रहने वाले पीराण खां ने विवेक विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार, वह चेन्नई से ट्रक लोड कर जोधपुर आया था। गत 13 नवंबर की शाम करीब 6 बजे वह मोगड़ा स्थित सीटीसी होटल पर रुका और रात 9 बजे खाना खाकर अपने भाई के साथ ट्रक के अंदर सो गया। रात करीब 9.40 बजे एक दर्जन से अधिक बदमाश वहां पहुंचे और सरिया, लाठी व पत्थरों से हमला कर दिया। बदमाशों ने ट्रक में जमकर तोडफ़ोड़ की, जिससे पीराण खां के पैर में चोट आई है।

### आपसी रंजिश में दुकानदार पर जानलेवा हमला

## पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद

**जोधपुर( हुक्मनामा समाचार )।** डांगियावास थाना क्षेत्र में चुनावी रंजिश के चलते एक दुकानदार और उसके परिजनों पर जानलेवा हमला करने का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़ित की रिपोर्ट पर डांगियावास पुलिस ने सरपंच पति शिवप्रकाश कागट, पेशे से शिक्षक मनोहर कागट सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित डांगियावास निवासी सुनील भाकर ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह अपने प्रतिष्ठान रिद्धि-सिद्धि स्वीट होम पर अपने भाई सुरेश और स्टाफ के साथ काम कर रहा था। रात करीब 11.15 बजे एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो में सरपंच पति शिवप्रकाश कागट पुत्र केसराम कागट, शिक्षक मनोहर कागट पुत्र अमराराम कागट, राकेश डांगी पुत्र छोगाराम डांगी और अशोक जाजड़ा पुत्र घेवरराम वहां पहुंचे। शिवप्रकाश कागट ने पीड़ित के भाई से सिगरेट मांगी और पीड़ित



को विश्वास में लेकर बात करने के बहाने साइड में खड़ी स्कॉर्पियो के पास ले गया। वहां पहले से घात लगाए बैठे अशोक जाजड़ा, राकेश डांगी और मनोहर कागट ने शिवप्रकाश के साथ मिलकर लोहे की रॉड और पास पड़े फावड़े से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में पीड़ित के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं।

हमले के दौरान उनका एक अन्य साथी मुकेश भीचर भी मौके पर आ गया और मारपीट में शामिल हो गया। बीच-बचाव करने आए पीड़ित के भाई सुरेश भाकर और दुकान के स्टाफ रामचंद्र सुथार के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के दौरान अशोक जाजड़ा ने पीड़ित और उसके भाई पर स्कॉर्पियो चढ़ाकर जान से मारने का भी प्रयास किया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। गंभीर रूप से घायल सुनील को तत्काल इलाज के लिए बनाड़ रोड स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित का यह भी आरोप है कि घटना के तुरंत बाद शिवप्रकाश कागट के छोटे भाई शंकर कागट और सुरेंद्र कागट गाड़ी लेकर उनकी दुकान पर आए और एफआईआर दर्ज न करवाने के लिए धमकाया।

## सिगरेट लेने के बहाने बुजुर्ग महिला के गहने लूटे

**जोधपुर।** जिले के लूनी थाना क्षेत्र में बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया। धीगाणा से बणियावास रोड पर खेत में बनी एक दुकान में बैठी बुजुर्ग महिला को बदमाशों ने निशाना बनाया। आरोपी सिगरेट लेने के बहाने दुकान में घुसे और महिला के साथ मारपीट कर उनके सोने के गहने लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में रोष है। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, धीगाणा निवासी प्रेमाराम पुत्र बाबूलाल विश्नोई ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 3.40 बजे उनकी दादी मुमलदेवी दुकान में बैठी थीं। इसी दौरान एक बाइक पर तीन युवक वहां पहुंचे। इनमें से एक युवक बाइक स्टार्ट करके बाहर खड़ा रहा, जबकि दो युवक नीचे उतरकर दुकान के अंदर आए और सिगरेट मांगने लगे। बुजुर्ग महिला जब उन्हें सिगरेट देने लगीं, तभी दोनों युवकों ने महिला को धक्का देकर जमीन पर पटक दिया और उनके पहने हुए सोने के गहने जबरन छीन लिए।

## दीपावली से छठ पूजा तक जोधपुर मंडल की सभी ट्रेनों का समय पर संचालन



**जोधपुर( हुक्मनामा समाचार )।** दीपावली से छठ पूजा तक त्योहारों के व्यस्त सीजन में उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने ट्रेन संचालन में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार सात दिनों तक शत-प्रतिशत समयपालन का रिकॉर्ड बनाया है। मंडल में 8 से 14 नवंबर तक सभी श्रेणियों की ट्रेनें निर्धारित समय पर संचालित हुईं। इससे त्योहारों पर घर जाने वाले हजारों यात्रियों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में राहत मिली।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान यात्रियों की आवाजाही सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ जाती है। अतिरिक्त यात्रीभार,विशेष ट्रेनों के संचालन और नियमित रेल सेवाओं को समयबद्ध बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। इसके बावजूद मंडल ने लगातार सात दिन 100 प्रतिशत समयपालनता हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि बेहतर परिचालन प्रबंधन, सतत निगरानी, त्वरित निर्णय और विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय का परिणाम है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास और उत्कृष्ट टीमवर्क का परिणाम है। त्योहारों के दौरान अतिरिक्त यात्रीभार के बीच ट्रेनों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करने के लिए परिचालन विभाग सहित सभी संबंधित विभागों ने पूरी तत्परता और समर्पण के साथ कार्य किया।

स्वामी एवं प्रकाशक प्रदीप लोढ़ा के लिए 902, तीसरी ई-रोड, सरदारपुरा, जोधपुर से प्रकाशित तथा मुद्रक मनीष कुमार, माणक ऑफसेट प्रिन्टर्स, एमजीएच रोड, जोधपुर द्वारा मुद्रित। सम्पादक प्रदीप लोढा, फोन : 2540244, 2622321, फैक्स : 2541066,
सिटी कार्यालय : मालियों की गली, उदयमंदिर थाने के पास, जोधपुर। -जयपुर कार्यालय : जी-1, एफ ब्लॉक, गणपति एनक्लेव, अजमेर रोड जयपुर। फोन नं.-01412220403-05, समाचार सम्पादक (मानद): सैयद मुनव्वर अली, मो. 9929454286

CMYK

## सम्पादकीय...

### टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं



विश्व स्वास्थ्य संगठन की ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2026 में भारत में टीबी के खिलाफ चल रही लड़ाई में महत्वपूर्ण प्रगति सामने आई है। 2015 की तुलना में भारत में टीबी से होने वाली मौतों में 38 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं टीबी के मरीजों के इलाज में सफलता की दर बढ़कर 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा बताता है कि भारत में टीबी की रोकथाम और उपचार के क्षेत्र में लगातार बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2015 में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी से 28 लोगों की मौत होती थी, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 18 रह गई। यह बदलाव स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और समय पर उपचार की दिशा में किए गए प्रयासों को दर्शाता है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है। हालांकि यह शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इसके प्रमुख लक्षणों में लंबे समय तक खांसी रहना, बुखार आना, रात में पसीना आना, भूख कम लगना और वजन में कमी होना शामिल हैं। इन लक्षणों को सामान्य मौसमी बीमारी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को लंबे समय तक खांसी बनी रहती है तो उसे चिकित्सक से सलाह लेकर जांच करवानी चाहिए। समय पर बीमारी की पहचान होने से उपचार आसान हो जाता है और संक्रमण को फैलने से रोकने में भी मदद मिलती है। पहले टीबी के मरीजों के सामने सबसे बड़ी समस्या बीमारी की पहचान और उपचार की उपलब्धता थी। ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं की कमी और जागरूकता के अभाव में कई मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते थे। आर्थिक कमजोरी के कारण भी उपचार बीच में छूट जाता था। लेकिन अब देश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है। सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की जांच और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भारत सरकार ने टीबी उन्मूलन के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। निक्षय पोषण योजना के माध्यम से टीबी मरीजों को पौष्टिक भोजन के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। निक्षय मित्र पहल के माध्यम से समाज के लोगों, संस्थाओं और संगठनों को टीबी मरीजों की मदद के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

*वैभव लोढ़ा...*

### इतिहास में आज

1908 - जनरल मोटर्स निगम की स्थापना की गई।
1995 - भारतीय मूल के वासुदेव पाण्डे त्रिनिदाद एवं टौबेगो के प्रधानमंत्री बने।
2000 - रूस द्वारा अंतरिक्ष केन्द्र मीर को डुबाने का फैसला।
2006 - पाकिस्तान ने मध्यम दूरी के गौरी-V मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

*-धर्म चंद मेहता*

### क्रॉस फायर

**❑राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को घेरा, कहा जब 14 करोड़ वोटर अवैध तो 2024 का चुनाव वैध कैसे।**

◆अपने ही जाल में आयोग फस गया।

**❑राहुल गांधी बोले चुनाव से पहले कडे मुकाबला और गठबंधन होते थे पर अब लोकतंत्र खत्म कर दिया।**

◆समय के हिसाब से खुद को भी बदलो।

**❑भारत ने पाकिस्तान को हराकर नवमी बार जीता अंडर-19 एशिया कप।**

◆इसमें ही खुश हो लो।

**❑अमेरिका में 9 /11 के हमले के बाद दूसरी बार एयर इमरजेंसी।**

◆अब तो वैसे भी इमरजेंसी समझ लो।

**❑राहुल के बाद सैम पित्रोदा कोई बोले मेरा फोन और लैपटॉप टेप हुआ।**

◆इसमें कौन सी नई बात।

**❑सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर बोले गोधरा कांड दुर्घटना नहीं साजिश थी।**

◆पर यह बताओ साजिश के पीछे दिमाग किसका था।

**❑शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी के लिए भारत ने रखी दो शर्त।**

◆भारत के भेजने में ही भलाई है।

**❑गहलोत ने खोली बजट फाइल्स पहला एपिसोड में जल जीवन मिशन पर सरकार को घेरा।**

◆दोनों में से एक की पोल तो खुलेगी।

*.....अंजू लोढ़ा*

### आज का राशिफल

**सोमवार 16 नवम्बर, 2026**

**मेष राशि:** आज के दिन तनाव व चिंता की कुछ घटनाएं हो सकती हैं लेकिन मन शांत रखकर समस्याओं से पार पा लेंगे। प्रोफेशन में परिवर्तन चाहते हैं। पढ़ाई में रुचि की कमी रहेगी।

**वृषभ राशि:** अपने व्यवसाय को लेकर यात्रा होगी। प्रोजेक्ट के लिए नए साझेदार मिलेंगे। घर के किसी सदस्य की चिंता रहेगी। अस्वस्थता रहेगी। बकाया वसूली होगी।

**मिथुन राशि:** रोज़ नई योजना बनती है पर चालू एक नहीं होती। परिवार में पूछ-परख कम होगी। पिता के साथ आज कल अच्छी घुल मिल रही है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। भय, चिंता तथा तनाव का माहौल खत्म होगा। मेहनत अधिक होगी।

**कर्क राशि:** आज का दिन महत्वपूर्ण है। नए लोगों से जरा संभल कर मित्रता करें। किसी देव स्थान का भ्रमण संभव है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। किसी भी विवाद से बचें।

**सिंह राशि:** दिन की शुरुआत में आलस हावी रहेगा। संतों का सान्निध्य मिलेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से बचें। अतिविश्वास हानिकर सिद्ध होगा।

**कन्या राशि:** किसी भी कीमत पर झुकना आप को पसंद नहीं है। वैवाहिक यात्रा सफल रहेगी। गृहस्थ सुख मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कार्य में बाधा संभव है। मकान बदलने से लाभ होगा।

**तुला राशि:** आज आप जल्दबाजी में कार्यों को अंजाम देने से बचें। अपने करियर को लेकर आप ईमानदार नहीं हैं, संभल जाएं। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं जो लाभ देंगे। कार्यस्थल में उन्नति होगी।

**वृश्चिक राशि:** समय के परिवर्तन से राहत महसूस करेंगे। विद्यार्थी वर्ग सफल रहेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। अनाज में निवेश शुभ रहेगा। सोच विचार कर व्यापार करें।

**धनु राशि:** आपके हौसले से ही आप प्रगति करेंगे। नए वस्त्र की प्राप्ति संभव है। माता-पिता अस्वस्थ रह सकते हैं, उनका ध्यान रखें। आपसी विवाद न करें। शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरी में प्रयास अधिक करने पड़ेंगे।

**मकर राशि:** कार्यस्थल पर अधिकारियों से विवाद होंगे। आपकी गलती के कारण बने बनाय काम बिग? सकते हैं। बातचीत से काम बन जाएंगे। कार्यसिद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

**कुम्भ राशि:** अपने यदि कोई राय दे रहे हैं तो उनकी बात भी मान लेनी चाहिए। पुराने मित्र-संबंधी से मुलाकात आज संभव है। मित्रों से शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। नौकरी-व्यापार में तरक्की संभव है।

**मीन राशि:** आज किसी से भी विवाद न करें। अपने अधिकारों का गलत प्रयोग न करें। यात्रा लाभकारी रहेगी। आपकी मेहनत से उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। निवेश आदि कार्य में सफल होंगे। कुबुद्धि से हानि संभव है।



**राजेन्द्र गुप्ता**
ज्योतिषी और हस्तरेखाविद, मो. 9611312076

**नोट**- अगर आप अपना भविष्य जानना चाहते हैं तो दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करके या इसी व्हाट्स एप नम्बर पर मैसेज भेजकर पहले शर्तें जान लेवें, इसी के बाद अपनी बर्थ डिटेल और हैंडप्रिंट्स भेजें।

## चिंतन - धनपिशाचों की अंधी दौड़

# धन के पीछे भागती दुनिया-लक्ष्मी की तलाश में अलक्ष्मी का आलिंगन



-डॉ. दीपक आचार्य

**धन-संपत्ति का अंबार लगा लेना ही लक्ष्मीवान होना नहीं; वास्तविक लक्ष्मी वहाँ निवास करती है, जहाँ संतोष, सदाचार, उदारता और परोपकार का वास हो।**

दीपावली बीत गई। इसके साथ जुड़े दूसरे पर्व भी धीरे-धीरे विदा हो रहे हैं। इन दिनों हमने लक्ष्मी मैया को प्रसन्न करने और अपने घर-आँगन में स्थायी रूप से विराजमान करने के लिए क्या-क्या नहीं किया! असंख्य दीप जलाए, आँखों को चुँधिया देने वाली रोशनी से रात को जगमगाया, रातभर जागकर पूजा-पाठ किया और देवी की आराधना में कोई कसर बाकी नहीं रखी। लक्ष्मी और महालक्ष्मी के मंदिरों में ढोल-नगाड़े बजाए, भजन-कीर्तन किए, डीजे और ध्वनि-विस्तारकों पर स्तोत्रों, मंत्रों और स्तुतियों की गूँज पैदा की। सुबह, दोपहर, शाम और मध्यरात्रि तक आरतियाँ हुईं। जयघोषों से वातावरण गुंजायमान रहा। घरों में लक्ष्मीपूजन हुआ, पण्डितों से अनुष्ठान करवाए गए, मंत्रोच्चार हुए और देवी की प्रतिमाओं का मनोहारी शृंगार किया गया। हमने वह सब कुछ किया, जो हमारी परम्पराओं में रहा है, जो हमें बताया गया और जो हमारी कल्पनाओं में आया। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या लक्ष्मी मैया वास्तव में हम पर प्रसन्न हुईं? क्या वे हमारे घरों में ठहरने आईं? अथवा हम केवल बाहरी आडम्बर और कर्मकाण्डों में ही उलझे रह गए? लक्ष्मी चंचला कही जाती हैं। लेकिन क्या उनके न ठहरने का कारण केवल उनकी चंचल प्रकृति है, अथवा हमारी अपनी जीवनशैली और धन के प्रति दृष्टिकोण भी इसके लिए जिम्मेदार है?

**लक्ष्मी की आराधना या धन की अंधी उपासना ?** सच तो यह है कि किसी अन्य पर्व-त्योहार के लिए हम शायद ही इतनी गंभीरता और उत्सुकता दिखाते हों, जितनी लक्ष्मीपूजन के अवसर पर दिखाई देती है। आखिर मामला धन-संपत्ति का जो है! धन के नाम पर हमारी सक्रियता, तत्परता और समर्पण देखते ही बनता है। लगता है जैसे जीवन का एकमात्र उद्देश्य धन अर्जित करना और उसे किसी भी कीमत पर अपने पास बनाए रखना ही रह गया है। आज अधिकांश लोगों की प्राथमिकताओं में पैसा सर्वोपरि हो गया है। धन पाने की लालसा कई बार मनुष्य को नैतिकता, संवेदना और विवेक की सीमाएँ लाँघने के लिए भी प्रेरित कर देती है। हम धन के लिए अपना समय, स्वास्थ्य, पारिवारिक सुख, मानसिक शान्ति और यहाँ तक कि आत्मसम्मान तक दाँव पर लगाने को तैयार हो जाते हैं। विडम्बना यह है कि धन की इस अंधी दौड़ में शामिल होकर हम स्वयं को भाग्यशाली और सफल समझने लगते हैं, जबकि कई बार हमारी यह दौड़ हमें वास्तविक समृद्धि से दूर ले जाती है। हम प्रतिवर्ष लक्ष्मी की आराधना करते हैं, लेकिन वर्षभर हमारी प्राथमिकताएँ कुछ और ही रहती हैं। मन में अकूत धन-संपदा पाने की आकांक्षा बनी रहती है और उसके लिए उचित-अनुचित, नैतिक-अनैतिक रास्तों के बीच का अंतर भी धुँधला पड़ने लगता है। इसके बावजूद तृप्ति नहीं मिलती।

**जिसे लक्ष्मी समझ बैठे हैं, कहीं वह अलक्ष्मी तो नहीं ?** लक्ष्मी और अलक्ष्मी के बीच का अंतर समझना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। हमारी सबसे बड़ी भूल यही है कि हमने लक्ष्मी के अर्थ को केवल रुपये-पैसे, सोने-चाँदी, जमीन-जायदाद और भौतिक वैभव तक सीमित कर दिया है। जबकि वास्तविक लक्ष्मी का अर्थ कहीं अधिक व्यापक है। धन जीवन का एक साधन है, स्वयं जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं। वास्तविक समृद्धि वह है, जिसमें धन के साथ स्वास्थ्य, मानसिक शान्ति, संतोष, सदाचार, आत्मसम्मान, पारिवारिक सुख, सामाजिक प्रतिष्ठा और दूसरों के काम आने की क्षमता भी शामिल हो। जिस संपत्ति को पाने के लिए मनुष्य को अपनी शान्ति गँवानी पड़े, जिसके संरक्षण के लिए हर समय भय और आशंका में जीना पड़े, जिसके कारण रिश्ते टूटें, विश्वास समाप्त हो और जीवन निरन्तर तनाव से घिरा रहे, उसे वास्तविक लक्ष्मी कैसे कहा जा सकता है? ऐसी संपदा भले ही बाहर से आकर्षक दिखाई दे, लेकिन यदि वह व्यक्ति के भीतर लोभ, असुरक्षा, अहंकार और अशान्ति बढ़ा रही है तो वह समृद्धि नहीं, बल्कि अलक्ष्मी का स्वरूप है।

**अलक्ष्मी की चौकीदारी में बीतता जीवन**- अनुचित साधनों से अर्जित धन को अपने पास बनाए रखने के लिए मनुष्य को अनेक प्रकार के जतन करने पड़ते हैं। उसे हर समय चोरी, लूट, धोखाधड़ी, छीन लिए जाने और कानूनी कार्रवाई का भय सताता रहता है। धन की सुरक्षा के लिए पहरेदार, सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा के अनेक इंतजाम करने पड़ते हैं। कई बार अपनी अवैध कमाई और काले कारनामों को छिपाने के लिए नए-नए समझौते और जोड़-तोड़ भी करने पड़ते हैं। ऐसे धन का स्वामी बाहर से कितना ही शक्तिशाली और प्रभावशाली क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह आशंकाओं और असुरक्षाओं से घिरा रहता है। उसकी रातों की नींद और दिन का चैन धन की रखवाली में ही खप जाता है।

इसके विपरीत, शुचिता, ईमानदारी और पुरुषार्थ से अर्जित संपत्ति व्यक्ति को आत्मसम्मान और निर्भयता प्रदान करती है। उसे अपने धन को लेकर किसी के सामने सफाई देने या अनैतिक समझौते करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। वह अपनी उपलब्धियों के साथ सहज और संतुष्ट रह सकता है। यही वास्तविक अंतर है लक्ष्मी और अलक्ष्मी का। एक मनुष्य को निर्भयता, संतोष और आत्मगौरव देती है, जबकि दूसरी उसे लोभ, भय और असुरक्षा के जाल में उलझाए रखती है।

**करोड़ों के स्वामी, फिर भी भिखारी जैसी बेचैनी**- धन के पीछे भागने की प्रवृत्ति का सबसे विचित्र रूप उन लोगों में दिखाई देता है, जिनके पास पहले से ही अकूत संपत्ति, विशाल जमीन-जायदाद और तमाम भौतिक सुविधाएँ मौजूद हैं, लेकिन उनकी भूख समाप्त होने का नाम नहीं लेती। वे दिन-रात और अधिक पाने की जुगत में लगे रहते हैं। अपने से अधिक संपन्न और प्रभावशाली लोगों के आगे झुकते हैं, मिन्नतें करते हैं, जोड़-तोड़ करते हैं और कई बार अपने आत्मसम्मान तक को दाँव पर लगा देते हैं। यह कैसी विडम्बना है कि जिसके पास सब कुछ है, वह भी स्वयं को अभावग्रस्त समझता है! जिसके भण्डार भरे हुए हैं, वह भी और अधिक पाने के लिए बेचैन है। धन बढ़ता जाता है, लेकिन तृप्ति घटती जाती है। ऐसे लोग धनवान तो हो सकते हैं, लेकिन आवश्यक नहीं कि लक्ष्मीवान भी हों।

**लक्ष्मी का वास्तविक स्वरूप - संतोष, शुचिता और सदाचार**- लक्ष्मी का अर्थ केवल मुद्रा और भौतिक संपदा नहीं है। जीवन में स्वास्थ्य, सौंदर्य, ज्ञान, विवेक, सद्बुद्धि, प्रतिष्ठा, आत्मविश्वास, परिवार का स्नेह, सामाजिक सम्मान और मानसिक शान्ति भी समृद्धि के ही स्वरूप हैं। जिस व्यक्ति के पास पर्याप्त धन हो, लेकिन वह उसका उपभोग तक न कर पाए, रातभर चैन से सो न सके, बीमारियों और तनाव से घिरा रहे, परिवार में आत्मीयता न हो और समाज में उसका सम्मान न हो, उसकी संपन्नता का वास्तविक अर्थ क्या रह जाता है? वास्तविक लक्ष्मीवान वह है, जिसके पास जीवन को आनंदपूर्वक जीने की क्षमता हो। जो अपने धन का सदुपयोग कर सके, दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बन सके और अपने भीतर संतोष तथा उदारता बनाए रख सके।

# खबर से बड़ा हो गया बाजार और सच से तेज प्रचार



राजेश जैन

**लोकतंत्र को मीडिया चाहिए या सिर्फ खबरों का कारोबार? यह सवाल आज इसलिए अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि खबरों की दुनिया पहले से कहीं बड़ी हो गई है, लेकिन सच तक पहुंचना उतना ही मुश्किल होता जा रहा है। सुबह अखबार खोलिए, टीवी चलाइए या मोबाइल पर सोशल मीडिया देखिए; हर ओर खबरें, घटनाओं के वीडियो, विशेषज्ञों की राय, बहसें और हर मुद्दे पर तत्काल प्रतिक्रियाएं हैं।**

सूचना की इस बाढ़ में कमी सिर्फ एक चीज की महसूस होती है—ठहरकर सच की पड़ताल करने की। पत्रकारिता का संकट यह नहीं है कि लोग खबरें पढ़ या देख नहीं रहे। असली संकट यह है कि खबरों की बहुतायत के बीच पाठक यह तय नहीं कर पा रहा कि किस पर भरोसा करे। एक ही घटना पर अलग-अलग दावे, आधे-अधूरे तथ्य, पुराने वीडियो को नई घटना बताकर प्रसारित करना और बिना पुष्टि के वायरल होती सूचनाएं इस भरोसे को लगातार कमजोर कर रही हैं। ऐसे में पत्रकारिता की भूमिका केवल सूचना पहुंचाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे सूचना और सत्य, दावे और तथ्य तथा प्रचार और खबर के बीच का फर्क भी स्पष्ट करना होगा। 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। इसी दिन 1966 में भारतीय प्रेस परिषद ने काम करना शुरू किया था। इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने के साथ पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखना भी था। यानी प्रेस की आजादी और उसकी जिम्मेदारी को शुरू से ही एक-दूसरे का पूरक माना गया। आज, जब मीडिया का स्वरूप, पहुंच और प्रभाव तेजी से बदल रहे हैं, इस मूल भावना को नए सिरे से समझने की जरूरत है।

**खबरों की तेजी और सच की पड़ताल**- एक समय खबर पाठक तक पहुंचने के लिए अखबार के अगले संस्करण या रेडियो-टीवी बुलेटिन का इंतजार करती थी। अब घटना होते ही उसका वीडियो और उससे जुड़ा दावा कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। इस बदलाव ने सूचना के प्रसार को तेज और व्यापक बनाया है। आपदा, दुर्घटना, स्थानीय समस्या या प्रशासनिक लापरवाही की जानकारी अब किसी बड़े मीडिया संस्थान की मोहताज नहीं रही। आम नागरिक भी घटनाओं को रिकॉर्ड कर सार्वजनिक कर सकते हैं। सूचना के इस लोकतंत्रीकरण ने खबरों की दुनिया में नए रास्ते खोले हैं। लेकिन सूचना का प्रसार आसान होने के साथ उसकी विश्वसनीयता की चुनौती भी बढ़ी है। सोशल मीडिया पर किसी वीडियो का मौजूद होना उसके सच होने का प्रमाण नहीं है। तस्वीर असली हो सकती है, लेकिन उसका समय, स्थान और संदर्भ गलत हो सकता है। किसी बयान का छोटा-सा हिस्सा पूरे अर्थ को बदल सकता है। फर्जी दस्तावेज और कृत्रिम रूप से तैयार तस्वीरें भी वास्तविकता जैसी दिखाई दे सकती हैं। इसलिए आज पत्रकारिता की कसौटी केवल सबसे पहले खबर देने की नहीं, बल्कि उसकी पुष्टि कर सही संदर्भ के साथ पाठक तक पहुंचाने की है।

**जब खबर की जगह तमाशा लेने लगे**- पत्रकारिता की मूल भूमिका सत्ता से सवाल पूछना, जनता की समस्याओं को सामने लाना और व्यवस्था को जवाबदेह बनाना रही है। लेकिन आज टेलीविजन समाचारों का बड़ा हिस्सा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप, तीखी बहसों और सनसनी के बीच उलझा दिखाई देता है। किसी मुद्दे की जमीनी पड़ताल से ज्यादा महत्व कई बार इस बात को मिलने लगता है कि किसने क्या कहा और किसने किसे जवाब दिया। बहस अपने आप में समस्या नहीं है। लोकतंत्र में असहमति और विचारों का टकराव जरूरी है। समस्या तब पैदा होती है, जब बहस का उद्देश्य मुद्दे को समझना नहीं, बल्कि दर्शक को बांधे रखना बन जाता है। स्टूडियो में ऊंची आवाजें सुनाई देती हैं, लेकिन गांव में पानी की समस्या, अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी, स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद या मजदूरों की मजदूरी जैसे सवाल उतनी जगह नहीं पाते। खबर का महत्व उसके जनहित से तय होना चाहिए, न कि उससे पैदा होने वाली उत्तेजना से। टीआरपी और विज्ञापन आधारित मॉडल ने इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। टेलीविजन रेटिंग दर्शकों की संख्या और कार्यक्रमों की लोकप्रियता मापने का माध्यम है। इसका सीधा संबंध विज्ञापन से है। सरकार ने मार्च 2026 में टीवी रेटिंग के लिए नई नीति जारी की, जिसमें पारदर्शिता, ऑडिट और मापन की विश्वसनीयता पर जोर दिया गया। यह सुधार जरूरी है, लेकिन बड़ा सवाल अब भी कायम है—क्या दर्शकों की पसंद ही खबरों की प्राथमिकता तय करेगी या जनहित भी संपादकीय फैसलों का आधार बना रहेगा?

**संपादकीय स्वतंत्रता पर बाजार और सत्ता का दबाव**- मीडिया संस्थान भी आर्थिक व्यवस्था से बाहर नहीं हैं। अखबार को कागज, छपाई, वितरण और कर्मचारियों पर खर्च करना पड़ता है। टीवी चैनल और डिजिटल पोर्टल भी विज्ञापन तथा दूसरे आय स्रोतों के सहारे चलते हैं। समस्या मीडिया के कारोबार करने में नहीं, बल्कि तब पैदा होती है जब कारोबारी हित संपादकीय फैसलों को प्रभावित करने लगते हैं। जब किसी बड़े विज्ञापनदाता, कॉरपोरेट समूह या राजनीतिक ताकत से संस्थान के आर्थिक हित जुड़े हों, तो खबरों के चयन और प्रस्तुति पर दबाव की आशंका बढ़ जाती है। यह दबाव हमेशा सीधे आदेश के रूप में सामने नहीं आता। किसी खबर को प्रमुखता न देना, किसी जांच को बीच में रोक देना, आलोचनात्मक रिपोर्ट को कमजोर कर देना या प्रभावशाली व्यक्ति के खिलाफ खबर प्रकाशित करने से बचना भी संपादकीय स्वतंत्रता को सीमित कर सकता है। आत्म-सेंसरशिप का यह रूप अक्सर दिखाई नहीं देता, लेकिन पाठक तक पहुंचने वाली खबरों को प्रभावित जरूर करता है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के 2026 के विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में 157वें स्थान पर है। संगठन ने राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी, सामाजिक और सुरक्षा से जुड़े पहलुओं के आधार पर यह आकलन किया है। किसी एक रैंकिंग को देश की पूरी पत्रकारिता का अंतिम मूल्यांकन नहीं माना जा सकता, लेकिन यह उन परिस्थितियों की ओर ध्यान जरूर खींचती है जिनमें मीडिया को काम करना पड़ रहा है। प्रेस की स्वतंत्रता पर बाहरी दबावों की चर्चा जरूरी है, लेकिन यह भी देखना होगा कि मीडिया संस्थान अपने भीतर संपादकीय स्वतंत्रता की कितनी रक्षा कर पा रहे हैं। **डिजिटल मीडिया ने बदली खबरों की दुनिया**- डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता के सामने नई संभावनाएं खोली हैं।

# लोकतंत्र के चारों स्तम्भ सहिष्णुता और असहिष्णुता के सागर में गोते लगा रहे है



बाल मुकुन्द ओझा

**संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व सहिष्णुता दिवस हर साल 16 नवम्बर को मनाया जाता है। सहिष्णुता या सहनशीलता वह मानवीय गुण है जो हमें दूसरों के भिन्न विचारों, विश्वासों और प्रथाओं को स्वीकार करने और उनका सम्मान करने की अनुमति देता है। यह शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की आधारशिला है।**

जीवन में आगे बढ़ने के लिए सहनशील होना आवश्यक है। सहनशीलता व्यक्ति को मजबूत बनाती है, जिससे वह बड़ी से बड़ी परेशानी का डटकर मुकाबला कर सकता है। अक्सर देखा जाता है हम छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर देते हैं, जिससे बात आगे बढ़ जाती है और अनिष्ट भी हो जाता है। ऐसी ही छोटी-छोटी बातों को मुस्कुराते हुए सुनने वाला व्यक्ति ही सहनशील है। सहनशीलता यानि सहिष्णुता का शब्दिक अर्थ है शरीर और मन की अनुकूलता और प्रतिकूलता को सहन करना। मानव व्यक्तित्व के विकास और उन्नयन का मुख्य आधार तत्व सहिष्णुता है। स्वयं के विरूद्ध किसी भी आलोचना को स्वीकार नहीं करना मोटे रूप में असहिष्णुता है। सहिष्णुता मनुष्य को दयालु और सहनशील बनाती है वहीं असहिष्णुता मनुष्य को अहंकारी बनाती है। अहंकार अंधकार का मार्ग है जो मनुष्य और समाज का सर्वनाश कर देती देश में आज सहिष्णुता तार तार हो रही है। हम ने अपने हित साधने के लिए दूसरों को बलि का बकरा बनाना सीख लिया है। यही कारण है की समाज में भाई चारे का स्थान वैमनस्यता ने ले लिया है। यह भी लगता है लोकतंत्र के चारों स्तम्भ सहिष्णुता और असहिष्णुता के सागर में गोते लगा रहे है। लोकतंत्र के चार स्तंभ है, विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और पत्रकारिता। इनमें विधायिका, कार्यपालिका और पत्रकारिता पर सहिष्णुता को तार तार करने के आरोप लगते रहते है मगर अब न्यायपालिका भी इसमें शामिल हो गई है। पिछले साल की ही बात करे, इलाहबाद हाईकोर्ट के एक विवादस्पद फैसले की देशभर में खूब नुक्ताचीनी हुई । इस फैसले में माननीय न्यायालय ने कहा किसी बच्ची के स्तनों को पकड़ना और पायजामे का नाडा तोड़ने तथा नीचे खींचने का प्रयास करना बलात्कार या बलात्कार की कोशिश का अपराध नहीं है। न्यायालय के इस असहिष्णु आदेश की देशभर में थू थू होने पर सुप्रीम कोर्ट को आखिर हस्तक्षेप कर कहना पड़ा यह फैसला लिखने वाले जज में संवेदनशीलता की कमी दिखती है। विदेशी आक्रांता औरंगज़ेब को लेकर देश में तरह तरह की भ्रांतियां फैलाई जा रही है जबकि यह ऐतिहासिक सच्चाई है की ओरंगजेब हमारा आइकॉन नहीं हो सकता। उसके जोर जुल्म की कहानियासर्वविदित है। इसी भांति एक कॉमेडियन ने एक राजनेता पर जानबूझकर सियासी टिप्पणी कर अपनी असहिष्णुता का परिचय दिया तो राजनेता समर्थकों ने पलटवार कर उसके कार्यालय में तोड़फोड़ कर दी।

दोनों पक्षों ने संयम और सहनशीलता का परिचय नहीं दिया। जहां तक विधायिका की बात है, लोकसभा और राज्यसभा के अध्यक्ष आये दिन सदस्यों को सहनशीलता और अनुशासन में रहने की सीख देते है जिसे कोई भी स्वीकार करने को तैयार नहीं है। चौदहवीं और पन्द्रहवीं शताब्दी को समाज सुधार की दिशा में अग्रणी माना गया है। इस अवधि में समाज सुधार आंदोलन फैला और सामाजिक बुराइयों को चुनौती मिली। समाज सुधार के इस आंदोलन का नेतृत्व संतों और समाज सुधारकों ने किया। इन सन्तों ने जाति प्रथा, धार्मिक कट्टरता और अंध विश्वास के विरूद्ध लोगों में चेतना के बीज बोये। संतों ने समाज में बराबरी, समता, भाईचारे और प्रेम का सन्देश फैलाया। आपसी कटुता और बैरभाव के विरूद्ध लोगों को चेताया। संत कबीरदास से लेकर गुरू नानक, रैदास और सुन्दरलाल आदि संतों ने समाज में सहिष्णुता का भाव उत्पन्न कर सामाजिक समरसता को जन जन तक पहुंचाया। इससे समाज में सही अर्थों में सहिष्णुता की भावना बलवती हुई। संत कबीर हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। उन्होंने राम-रहीम को एक माना और कहा ईश्वर एक है भले ही उसके नाम अलग-अलग क्यों न हों।

# राष्ट्रीय प्रेस दिवस और इसकी प्रासंगिकता



-सुनील कुमार महला।

**16 नवंबर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। वास्तव में यह दिन केवल पत्रकारिता के महत्व को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह मीडिया की स्वतंत्रता, निष्पक्षता, विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी पर आत्ममंथन करने का भी अवसर है। बहरहाल , यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय प्रेस परिषद ने आज ही के दिन यानी कि 16 नवंबर, 1966 को कार्य करना प्रारंभ किया था और इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है।**

जैसा कि हम सभी यह जानते हैं कि लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के साथ मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।शायद यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, क्योंकि यह जनता और शासन के बीच संवाद का माध्यम बनता है। सत्ता के निर्णयों को जनता तक पहुँचाना, जनसमस्याओं को शासन के सामने रखना, व्यवस्थागत कमियों को उजागर करना और नागरिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना पत्रकारिता के प्रमुख दायित्व हैं। उल्लेखनीय है कि समय के साथ ही साथ आज सूचना और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आया है। समाचार पत्रों और टेलीविजन के साथ डिजिटल मीडिया, समाचार पोर्टल और सोशल मीडिया ने सूचना के प्रसार को अत्यंत तीव्र बना दिया है। अब कोई भी घटना कुछ ही क्षणों में दुनिया के कोने-कोने तक पहुँच जाती है। यह बदलाव जहाँ सूचना की पहुँच को व्यापक बना रहा है, वहीं कई नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर रहा है। अधूरी जानकारी, भ्रामक खबरें, फर्जी समाचार, भ्रामक शीर्षक और बिना पुष्टि के प्रसारित सामग्री समाज में भ्रम, अविश्वास और तनाव पैदा कर सकती है। ऐसे समय में पत्रकारिता की विश्वसनीयता और उसकी जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल खबरों को सबसे पहले प्रसारित करना नहीं, बल्कि सही तथ्यों के साथ उन्हें समाज के सामने रखना भी है। कुत्ता आदमी को काट ले,यह खबर नहीं है। आदमी कुत्ते को काट ले, खबर वह है, क्यों कि जो अप्रत्याशित है,वहीं ख़बर है। वास्तव में,ख़बर की पुष्टि, स्रोतों की विश्वसनीयता, दोनों पक्षों को सुनना और भाषा की मर्यादा बनाए रखना निष्पक्ष पत्रकारिता की बुनियादी शर्तें हैं। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को प्रभावित करने वाली खबरों में विशेष सावधानी अपेक्षित है। सनसनीखेज प्रस्तुति और टीआरपी की होड़ में समाचार की मूल आत्मा प्रभावित नहीं होनी चाहिए, जैसा कि आज हो रहा है। इतना ही नहीं, आज पत्रकारिता के सामने एक बड़ी चुनौती आर्थिक दबाव, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और विभिन्न प्रकार के प्रभावों के बीच अपनी संपादकीय स्वतंत्रता बनाए रखने की भी है। पत्रकारिता तभी सार्थक हो सकती है, जब वह किसी पक्ष विशेष के हितों के बजाय जनहित को प्राथमिकता दे। सरकार की उपलब्धियों को सामने लाना जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक उसकी कमियों और जनसमस्याओं पर सवाल उठाना भी है। इसी प्रकार सकारात्मक कार्यों, सामाजिक बदलावों और समाज के अंतिम व्यक्ति के संघर्ष को स्थान देना भी मीडिया का महत्वपूर्ण दायित्व है। यही नहीं, आज ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को पर्याप्त स्थान मिलना चाहिए। पत्रकारिता का दायरा केवल राजनीतिक बयानबाजी और मनोरंजन तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रोजगार, सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं से जुड़े विषयों को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। एक जिम्मेदार

### जोधपुर में मरूनिनाद शिविर के समापन समारोह को सरसंघचालक ने किया सम्बोधित

# अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा खत्म की, अपनी हम पर लादी, इसलिए हम गरीब हो गए : मोहन भागवत



**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि ब्रिटिशर्स ने हमारी शिक्षा खत्म कर दी और उनकी हम पर लाद दी। इसलिए हमारे सम्पन्न लोग गरीब हो गए। ब्रिटिशर्स ने हमारे देश को एक प्रकार से नशे में डाल दिया। ब्रिटिश शासनकर्ताओं ने देख लिया कि हमारी सत्ता यहां सुरक्षित नहीं है। जब तक ये होश में है इन्हें जीतना संभव नहीं है। इन्हें बेहोश कर दो। वह शहर के नजदीक शिकारपुरा स्थित राजाराम आश्रम में चल रहे मरूनिनाद कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस शिविर में 5 हजार से ज्यादा स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। समापन कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि नशा कोई भी हो घातक होता है। नशा केवल केमिकल ड्रग्स या चाय-कॉफी का ही नहीं है। इंस्टग्राम और फेसबुक के साथ प्रसिद्धि का भी नशा होता है। हमारा धर्मपरायण देश है। पूरी दुनिया को परोपकार से जोडने का हमारा स्वभाव रहा है। आक्रमणकारी एक के बाद एक जो नशे लाए है उस स्थिति में भी हम परोपकार को नहीं भूले है। भागवत ने कहा कि एक ही आह्वान करूंगा, समय बड़ा नाजुक है लेकिन एक साथ खड़े हुए तो समय की बाजी मार लेंगें। संघ की शाखा में आने से संघ के हो जाएंगे। यदि शाखा में नहीं आ सकते तो दायित्व निभा सकते है। **संघ का एक ही लक्ष्य है- भारत माता की जय** उन्होंने कहा कि संघ का एक ही लक्ष्य है- भारत माता की जय। जब समाज खड़ा होता है तो असंभव काम भी सिद्ध हो जाते है। कार्यक्रम के पीछे ये ही अर्थ है कि परिस्थिति और कर्तव्य को ध्यान में रखते हुए अपने काम कीजिए। सरसंघचालक ने कहा- जब संघ शुरू हुआ और शारिरिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई तो बैंड की जरूरत थी। स्वयंसेवकों ने रण संगीत का निर्माण किया था। उसके मन में स्वाभिमान का भाव जगता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को साथ लेकर चलना है। मुझे अकेले को नहीं सभी को अच्छा करना है। सारे समाज में अपनापन व्याप्त होना चाहिये, छोटे-छोटे अहंकार मिट जाने चाहिए। संगठन की शक्ति ही विजयशाली होती है। कौरव आपस में लड़ते थे। पांडव मिलजुल कर चले। ऐसा नहीं कि पांडव में विवाद नहीं हुआ लेकिन उन्होंने अपनी एकता को ध्यान में रखा। भारत सभी के आशा का निदान है। अपने स्वार्थ के लिए भारत को बड़ा भी नहीं बनने देना चाहते है। भारत को बांटने और आपस में लड़ाने का काम कर रहे है। वहीं आसुरी शक्ति फिर से कर रही है। हमें हमारी एकता का स्मरण करते हुए शक्ति बनी रहे। ये सभी आरएसएस करता है। उन्होंने कहा कि हमें नशे के लिए मजबूर करने वाले चले गए। हमने स्वतंत्रता से पहले ही इसे देख लिया था। काम करने वाले बड़े-बड़े लोगों ने कहा है इसमें हमारा जीवन लगा है। बीमारी को निकालने वाला चाहिए। समाज का आचरण वातावरण से बदलता है। कोई कुछ करता है तो कोई दूसरा भी देखता है। कठिन बातें सामान्य लोगों के समझ में नहीं आती। समाज नेताओं के पीछे चलता है। जरूरी है कि देश के प्रतीक गांव और गली मोहल्ले में, समाज के संपर्क रहने वाले और निर्मल चरित्र के साथ देश के लिए जीने मरने वाला हो, ऐसा कोई समूह हुआ तो देश का वातावरण बदल जाएगा। संघ के काम का तरीका क्या है। सीधे सादे आकर्षक है। अनुशासन का पालन कर रहे है। इससे व्यक्तिगत और राष्ट्र चरित्र बनता है। आदत को बोयें और स्वभाव को काटो। भागवत ने कहा- दो हाथों से कमाओ और हजार हाथों से बांटो। लेकिन नशे ने भुला दिया। कुत्ता बिल्ली को हमने घर में रखा लेकिन इंसान को चाय से दूर रखा। **संघ के 101 साल पूरे होने पर 101 की बनाई आकृति** समापन समारोह में संघ की उदय रचना पर 101 आकृति पर हंस ध्वनि की रचना पेश की गई। ये संघ के 101 साल पूरे होने पर डेडिकेट की गई। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों की ओर से मीरा वादन रचना प्रस्तुत की गई। इससे पहले ध्वज प्रणाम के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। घोष वंदन के साथ स्वयंसेवकों ने अलग अलग व्यूह रचना पेश की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में यहां लोग पहुंचे। इसके साथ ही कई मंत्री और संत भी इस कार्यक्रम में आए।

## नेशनल साइकिल पोलो चैंपियनशिप शुरू 40 से ज्यादा टीमें ले रही हिस्सा, फाइनल 18 नवंबर को



**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** 47वीं सीनियर मेन्स, 45वीं जूनियर बॉयेज और 41वीं सब जूनियर बॉयेज नेशनल साइकिल पोलो चैंपियनशिप रविवार से पाबूपुरा स्थित पोलो ग्राउंड में शुरू हुई। पूर्व नरेश गजसिंह ने बॉल थ्रो करके चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। आगामी 17 नवंबर तक तीनों दिन अलग-अलग मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले 18 नवंबर को सुबह होंगे। पूर्व नरेश गजसिंह ने कहा कि जोधपुर साइकिल पोलो का एक तरह से घर है। एक अंतराल के बाद वापस इसकी शुरुआत हुई है। इस बार यहां 40 से ज्यादा टीमें भाग ले रही हैं। राज मारवाड़ खेल महोत्सव के को-फाउंडर राजेंद्र कुमार गुर्जर ने बताया कि पूर्व राज परिवार की ओर से विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। सीनियर टीम को राष्ट्रीय महाराजा जोधपुर कप, जूनियर टीम को राष्ट्रीय युवराज जोधपुर कप और सब जूनियर टीम को राष्ट्रीय राज भंवर साइकिल पोलो कप दिया जाएगा। यह कप रनिंग ट्रॉफी की तरह तीन वर्षों तक जारी रहेंगे। इस अवसर पर राज मारवाड़ के मुख्य सचिव मनोज मालानी, साइकिल पोलो फेडरेशन के अध्यक्ष सुवेन्द्रों मूलिक, मुख्य सचिव चन्दन कुमार पाण्डे के अलावा कई राष्ट्रीय टीमों के अध्यक्ष और सचिव उपस्थित रहे।

## अवैध शराब की गाड़ी एस्कॉर्ट करने वाला गिरफ्तार, कार जब्त

**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** डांगियावास थाना पुलिस ने गुजरात में अवैध अंग्रेजी शराब ले जाने वाली पिकअप गाड़ी और उसे एस्कॉर्ट करने वाले ब्रेजा कार चालक को गिरफ्तार किया है। कार को भी जब्त किया है। आरोपी वीरेंद्र सिंह डीडवाना-कुचामन के पीलवा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। डांगियावास थानाधिकारी राजूराम काला ने बताया कि 4 अक्टूबर को कार्रवाई करते हुए एक पिकअप गाड़ी से चंडीगढ़ निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के 215 कार्टन जब्त किए थे। पुलिस ने पिकअप चालक को भी गिरफ्तार किया था। पुलिस जांच में सामने आया था कि मुख्य आरोपी वीरेन्द्रसिंह अपनी ब्रेजा कार से इस पिकअप गाड़ी को एस्कॉर्ट करते हुए अवैध शराब को गुजरात ले जा रहा था। जैसे ही उसे पुलिस द्वारा पिकअप पकड़े जाने का अंदेशा हुआ, वह अपना मोबाइल फोन बंद करके मौके से फरार हो गया था। इसके बाद से लगातार पुलिस उस पर निगरानी रखे हुए थी। पुलिस से बचने के लिए आरोपी वीरेन्द्रसिंह पिछले डेढ़ महीने से राजस्थान, पंजाब और गुजरात के अलग-अलग ठिकानों पर फरारी काट रहा था। शनिवार को डांगियावास थाना टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी वीरेंद्र अपनी ब्रेजा कार से किसी रिश्तेदारी में जा रहा है। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे दस्तयाब किया और थाने लाकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

## ख्वाजा अब्दुल लतीफ शाह का 124वां सालाना उर्स 2 दिसंबर से

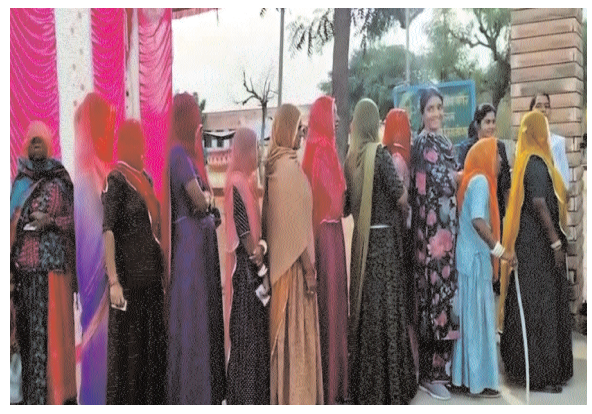


**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** आफ़ताब-ए-जोधपुर, कुतुबे मारवाड़ हज़रत ख़्वाजा अब्दुल लतीफ शाह साहिब नजमी सुलेमानी चिश्ती अल-फ़ारूकी रहमतुल्लाह अलैह के सालाना 124वें उर्स मुबारक के बैनर का विमोचन दरगाह के महफिलखाने में किया गया। बैनर का विमोचन दरगाह सज्जादानशीन पीर मोहम्मद नजमुल हसन लतीफी साहब एवं दरगाह नाजिम पीर कारी मोहम्मद अबुल हसन मीनाई साहब की सरपरस्ती में हुआ। दरगाह प्रवक्ता अमजद खान ने बताया कि सात दिवसीय उर्स मुबारक का आगाज 2 दिसंबर को झंडे की रस्म के साथ होगा। वहीं उर्स का समापन 8 दिसंबर की अलसुबह कुल की रस्म के साथ किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न धार्मिक एवं सूफियाना कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें देशभर से जायरीन और अकीदतमंद शिरकत करेंगे। बैनर विमोचन के अवसर पर ईद मिलादुन्नबी जलसा समिति के अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, औलिया मस्जिद के पेश इमाम अबुल कलाम नूरी, जोधपुर शहर युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष एवं पार्षद इरफान बैली, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष फिरोज फेम, पार्षद राजू भाटी, इश्तियाक अली राजू, पूर्व पार्षद दानिश फौजदार, पीर कमरूल हसन मीनाई, हाफिज रिजवान नूरी, अब्दुल रहीम सांखला, पीरजादा फैजुल हसन लतीफी, पीर कारी जावेद मीनाई, मोहम्मद अकरम खान, इरफान कव्वाल, रियाज मुल्लाजी, पीर अब्दुल वहीद मीनाई, कय्यूम लोदी, मास्टर हसनैन अशरफी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

### 30 अक्टूबर को विवाद के बाद रद्द किया गया था मतदान

## भावी ग्राम पंचायत पुनर्मतदान में 76.44 फीसदी वोटिंग, उप सरपंच का चुनाव आज

**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** जिले की बिलाड़ा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भावी में पंच एवं सरपंच पद का पुनर्मतदान रविवार को कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच हुआ। यहां सुबह से बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष मतदान के लिए कतारों में खड़े नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस और अतिरिक्त बल तैनात किया गया। पूर्व के हालात को देखते प्रशासन ने यहां के सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त इंतजाम किए। शाम छह बजे तक यहां कुल 76.44 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। ग्राम पंचायत भावी में सभी 7 बूथों पर कुल 6,949 मतदाताओं में से 5,312 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सोमवार को उप सरपंच का निर्वाचन होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक रंजन ने बताया कि सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ, जो शाम छह बजे तक चला। सुबह 10 बजे तक 20.36, दोपहर 1 बजे तक 46.75, दोपहर 3 बजे तक 61.04 और सायं 6 बजे तक 76.44 मतदान दर्ज किया गया। बता दे कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने 30 अक्टूबर को मतदान प्रक्रिया के दौरान ग्राम पंचायत भावी के मतदान केंद्र संख्या 09 से 15 तक अत्यधिक भीड़ एकत्र होने तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगडने के कारण मतदान प्रक्रिया बाधित होने पर इसे स्थगित किया था। जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर), जोधपुर की रिपोर्ट पर राज्य निर्वाचन आयोग ने राजस्थान पंचायतीराज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 48ए के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्राम पंचायत के समस्त मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान का निर्णय लिया था। **150 मत पत्र गायब होने पर मचा था बवाल** भावी सरपंच चुनाव के दौरान 30 अक्टूबर को मतदान केंद्र संख्या 12 से 150 मतपत्र गायब कर लिए गए थे। इसके बाद मत पत्र वापस डालने का प्रयास हुआ। इन मतपत्रों पर सोहनी देवी के नाम के आगे मोहर लगी थी। कानून व्यवस्था बाधित होने पर मतदान निरस्त कर दिया गया। सोहनी देवी जेएनवीयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुनील चौधरी की मां हैं। सुनील चौधरी सहित अन्य ने जिस बूथ पर गड़बड़ी हुई, उसी पर पुनर्मतदान की मांग की। इस घटना से जुड़े लोगों पर मतदान होने तक कार्रवाई नहीं की जाए, इसे लेकर थाने का घेराव किया। पथराव भी किया था। सुनील की गिरफ्तारी हुई और हाईकोर्ट से जमानत दी गई थी।



## लोकतंत्र की रक्षा करना हम सब का दायित्व वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान को लेकर कांग्रेस की बैठक आयोजित



**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के अंतर्गत सर्राफा बाजार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की एक बैठक शहर जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में लोकतंत्र की रक्षा, संविधान की सुरक्षा, मतदाता अधिकारों तथा कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कांग्रेस के शहर जिला अध्यक्ष ओमकार वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और प्रत्येक मतदाता के मताधिकार की रक्षा बेहद जरूरी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। पूर्व अध्यक्ष नरेश जोशी ने कहा कि वोट की ताकत लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। मतदाता सूची में पारदर्शिता और प्रत्येक योग्य मतदाता के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कार्यकर्ताओं को जागरूक रहना होगा। पूर्व विधायक मनीषा पंवार ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। ब्लॉक अध्यक्ष अख्तर खान सिंधी ने कहा कि सर्राफा बाजार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता संगठन की मजबूती के लिए पूरी सक्रियता से कार्य करें। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष रामनिवास गोदारा, कार्यक्रम संयोजक मनोज व्यास, मंडल अध्यक्ष, पार्षद, पार्षद प्रत्याशी पार्षद प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## शिवम् नाट्यालय का 69वां अरंगेत्रम सम्पन्न



**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** भरतनाट्यम संस्थान शिवम् नाट्यालय की नृत्यांगना नाईशा सोनी ने अपना अरंगेत्रम जग शांति ऑडिटोरियम बासनी में पूर्ण किया। यह शिवम् नाट्यालय का 69वां अरंगेत्रम रहा। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक पुष्पांजलि से हुई, जिसके बाद क्रमशः अल्लारिपु, जातिस्वरम, शब्दम, वर्णम, पदम, तिल्लाना और अंत में मंगलम की प्रस्तुतियां दी गईं। प्रत्येक प्रस्तुति में नाईशा ने उत्कृष्ट भाव-भंगिमा, लय और तकनीकी कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया। इन प्रस्तुतियों में विभिन्न रागों नटई, हेमावती, राग माल्लिका, हसाध्वनि और राग कंदन कोतुहलम का सुंदर संयोजन देखने को मिला, जबकि तालों में आदि तालम, चतुरस एकम, रूपक तालम और मिश्र चापु का प्रयोग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आरटीसी सीआरपीएफ, जोधपुर डीआईजी बीके चौरसिया मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्था की शिष्या मेहल शारदा ने किया।

## धूमधाम से हुई पूर्व केंद्रीय मंत्री शिंदे की दोहिती की शादी

**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और महाराष्ट्र के सीएम की दोहिती तनीषा और तुषार की शादी रविवार को उम्मेद भवन पैलेस में धूमधाम से हुई। इस दौरान कई मेहमान जोधपुर पहुंचे। शिंदे की दोहिती तनीषा श्रॉफ और तुषार मानेकलाल की वेडिंग सेरेमनी शुक्रवार से उम्मेद भवन पैलेस में चल रही थी। तीन दिन तक चले इस आयोजन में देश की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुई। समारोह में आए मेहमानों ने राजस्थानी व्यंजन का लुत्फ लिया। उम्मेद भवन पैलेस में फूल-मालाओं से मेहमानों का स्वागत किया गया। गौरतलब है कि तनीषा, शिंदे की बेटी प्रीति और राज सर्राफ की पुत्री हैं। राज सर्राफ बिजनेसमैन हैं। वहीं तुषार बिजनेसमैन लक्ष्मी आशुतोष मानेकलाल के बेटे हैं।

### आज से बदलेगा रानीखेत एक्सप्रेस का संचालन समय

## जोधपुर से 15 मिनट पहले रवाना होगी ट्रेन जैसलमेर से प्रस्थान समय में भी 25 मिनट का बदलाव

**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** परिचालनिक कारणों से जैसलमेर-काठगोदाम रानीखेत एक्सप्रेस का संचालन समय 16 नवंबर से परिवर्तित किया जा रहा है। नई समय-सारणी के अनुसार ट्रेन अब जोधपुर रेलवे स्टेशन से निर्धारित समय से 15 मिनट पहले रवाना होगी। सीनियर मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव के अनुसार, ट्रेन संख्या 15013 जैसलमेर-काठगोदाम रानीखेत एक्सप्रेस सोमवार से जोधपुर रेलवे स्टेशन पर सुबह 8.20 बजे के स्थान पर 8.05 बजे पहुंचेगी तथा 8.30 बजे के बजाय 8.15 बजे प्रस्थान करेगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन के अन्य स्टेशनों पर भी आगमन एवं प्रस्थान समय में आंशिक बदलाव किया गया है। जैसलमेर से ट्रेन अब रात 2.40 बजे के बजाय 2.15 बजे रवाना होगी। संशोधित समय-सारणी के अनुसार ट्रेन पोकरण सुबह 3.35 बजे, रामदेवरा 4.17 बजे, फलोदी 4.55 बजे और लोहावट 5.30 बजे पहुंचेगी। इसके बाद राई का बाग स्टेशन पर सुबह 7.48 बजे तथा जोधपुर में 8.05 बजे आगमन होगा। जोधपुर से रवाना होने के बाद ट्रेन भगत की कोठी में सुबह 8.30 बजे, लूनी में 9.05 बजे और पाली मारवाड़ में 9.40 बजे पहुंचेगी। वहीं, मारवाड़ जंक्शन पर ट्रेन का नया आगमन समय सुबह 10.20 बजे और प्रस्थान समय 10.40 बजे निर्धारित किया गया है। जयपुर में ट्रेन दोपहर 2.55 बजे पहुंचेगी तथा 3.05 बजे रवाना होगी।

### आबकारी विभाग के कार्मिकों को दिया पीटी परेड और ड्रिल का व्यावहारिक प्रशिक्षण

# दो दिवसीय प्रशिक्षण में शारीरिक दक्षता अनुशासन एवं टीम भावना सुदृढ़ करने पर दिया जोर

**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशों की अनुपालना तथा अतिरिक्त आबकारी आयुक्त, जोन जोधपुर सीमा कविया एवं उपायुक्त, आबकारी निरोधक दल, जोन जोधपुर अरविंद प्रताप सिंह के निर्देशन में आबकारी विभाग के जिला जोधपुर में पदस्थापित कार्मिकों के लिए राजस्थान पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (आरपीटीसी) में दो दिवसीय पीटी परेड एवं ड्रिल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आबकारी अधिकारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व एवं सहायक आबकारी अधिकारी कमलेश बिश्नोई की सहभागिता में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले में पदस्थापित समस्त आबकारी निरीक्षकों, प्रहराधिकारियों, जमादारों, गार्ड एवं सिपाहियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विभागीय कार्मिकों को शारीरिक प्रशिक्षण के साथ परेड के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक एवं अनुशासित तरीके से अभ्यास करवाया गया। इसमें परेड में सम्मिलित होने की प्रक्रिया, निर्धारित वेशभूषा एवं अनुशासन, सलामी देने का सही तरीका, सावधान एवं विश्राम की स्थिति, दाएं-बाएं एवं पीछे मुडने की प्रक्रिया, सलामी एवं रिपोर्टिंग, लाइन एवं फॉर्मेशन सहित विभिन्न आवश्यक ड्रिल गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त परेड के दौरान शारीरिक मुद्रा, कदमताल, आपसी तालमेल, आदेशों के अनुरूप त्वरित प्रतिक्रिया तथा सामूहिक अनुशासन बनाए रखने के संबंध में भी व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई।

कार्मिकों से निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों का बार-बार अभ्यास करवाया गया, ताकि उनमें दक्षता एवं एकरूपता विकसित हो सके। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आबकारी विभाग के फील्ड कार्मिकों में अनुशासन, एकरूपता, शारीरिक दक्षता, आत्मविश्वास एवं टीम भावना को सुदृढ़ करना रहा। साथ ही विभागीय आयोजनों, औपचारिक परेड एवं कानून प्रवर्तन से जुड़े दायित्वों के निर्वहन के दौरान बेहतर समन्वय एवं कार्यकुशलता विकसित करना भी प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य रहा।



## नाबालिग ने फंदा लगाया, खेजड़ी के पेड़ से गिरे बुजुर्ग की मौत

**जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)।** शहर में एक नाबालिग ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। वहीं दूसरी तरफ खेजड़ी के पेड़ से गिरने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई। राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में घर में एक नाबालिग ने फंदा लगाकर सुसाइड कर दिया। घटना 14 नवंबर की है। परिजनों की ओर से इसको लेकर मर्ग दर्ज करवाया गया है। जिसमें बताया कि उनकी नाबालिग बेटी ने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं दूसरे मामले में मथानिया थाना क्षेत्र के नेवरा रोड पर खेती का काम करने वाले तुलछाराम (70) पुत्र जेठाराम के साथ एक बड़ा हादसा हो गया। वे खेत में खेजड़ी की छंगाई करते समय अचानक संतुलन बिगडने से नीचे गिर गए। आनन-फानन में परिजनों ने गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग दर्ज किया।

### जनजातीय विकास को नई पहचान देने की पहल

# शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से आदिवासी अंचल को संवारने में जुटी भजनलाल सरकार

**जयपुर (हुक्मनामा समाचार)।** राजस्थान की पहचान केवल यहां की संस्कृति, विरासत और ऐतिहासिक धरोहरों से ही नहीं, बल्कि यहां रहने वाले जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं, लोककलाओं और प्रकृति के साथ उनके गहरे संबंधों से भी है। प्रदेश के बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर, सिरोही, बारां सहित कई जिलों में बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार निवास करते हैं। इन क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियां, दूर-दराज बसी आबादी और लंबे समय से चली आ रही बुनियादी सुविधाओं की चुनौतियां विकास के सामने अलग तरह की आवश्यकताएं प्रस्तुत करती रही हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, सड़क, पेयजल और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने अपने लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल में जनजातीय क्षेत्रों के विकास को लेकर विभिन्न स्तरों पर पहल की है। सरकार की योजनाओं में एक तरफ विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, मां-बाड़ी केंद्र और आवासीय विद्यालय हैं, तो दूसरी तरफ वन अधिकार पट्टे, वन धन विकास केंद्र, कौशल प्रशिक्षण, कृषि सहायता, जनजातीय पर्यटन और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए लक्षित कार्यक्रम शामिल हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि आदिवासी परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना और उन्हें विकास की मुख्यधारा में समान अवसर दिलाना है।

**जनजातीय विकास के लिए बढ़ाया बजट और बनाई व्यापक कार्ययोजना :**

राज्य सरकार ने जनजातीय विकास के लिए वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया है। मुख्यमंत्री ने नवंबर 2024 में बांसवाड़ा में गोविंद गुरु जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना का शुभारंभ किया। इसी अवसर पर जनजाति उपयोजना (टीएसपी) का बजट 1,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,500 करोड़ रुपये करने की घोषणा की गई। इसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध करवाना और योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करना था।

वित्त वर्ष 2026-27 में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के लिए 1,255.10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें छात्रावासों, मां-बाड़ी केंद्रों, आवासीय विद्यालयों और विशेष जनजातीय सहायता कार्यक्रमों पर ध्यान दिया गया है। इसके अलावा अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत राज्य के विभिन्न विभागों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास, कृषि, पेयजल, सामाजिक सशक्तीकरण और आर्थिक गतिविधियों के लिए अलग-अलग प्रावधान किए गए हैं।



## गोविंद गुरु जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना से वनवासी परिवारों को सहारा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 15 नवंबर 2024 को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर बांसवाड़ा में गोविंद गुरु जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना का शुभारंभ किया। इस योजना का विशेष महत्व इसलिए है क्योंकि इसका संबंध वन क्षेत्रों में रहने वाले उन आदिवासी परिवारों से है, जिनकी आजीविका जंगल और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रही है। योजना के माध्यम से वन अधिकार अधिनियम के तहत पात्र परिवारों को उनके अधिकारों का लाभ दिलाने, सामुदायिक वन क्षेत्रों में विकास कार्य करवाने और वनवासी परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया गया है। सरकार ने वन अधिकार पट्टाधारकों को कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य आजीविका योजनाओं से जोड़ने की दिशा में भी पहल की है। इसके लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जा रहा है, ताकि वन अधिकार प्राप्त परिवारों की आय के साधन बढ़ सकें। इस योजना का एक बड़ा उद्देश्य यह भी है कि आदिवासी परिवारों को उनके पारंपरिक संसाधनों के साथ सम्मानजनक जीवन और आर्थिक अवसर उपलब्ध हों।

## 1,902 करोड़ रुपये के विकास कार्यों से आदिवासी अंचल को बड़ी सौगात

जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए मुख्यमंत्री ने 17 मार्च 2026 को बेणेश्वर धाम में 1,902 करोड़ रुपये के 326 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। ये कार्य बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर और सिरोही जिलों से संबंधित हैं। इन कार्यों का उद्देश्य आदिवासी अंचल में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। इसी कार्यक्रम में वन क्षेत्रों में निवास करने वाले पात्र आदिवासी परिवारों को व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकार पट्टे उपलब्ध करवाने के लिए विशेष अभियान चलाने की घोषणा भी की गई। वन अधिकार पट्टों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने पर भी जोर दिया गया, जिससे पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच बनाने में आसानी हो सके। यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जमीन और वन अधिकारों से जुड़ी स्पष्टता ग्रामीण और जनजातीय परिवारों की आर्थिक सुरक्षा के लिए अहम भूमिका निभाती है।

## वन धन विकास केंद्रों से रोजगार और स्थानीय उत्पादों को बाजार

जनजातीय समाज की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए वन धन विकास केंद्रों को महत्वपूर्ण माध्यम बनाया जा रहा है। इन केंद्रों का उद्देश्य आदिवासी परिवारों द्वारा एकत्रित की जाने वाली लघु वन उपज और कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और विपणन करना है। राजस्थान में आठ जिलों में 530 वन धन विकास केंद्रों के गठन की जानकारी राज्य सरकार ने दी है। वहीं प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन के अंतर्गत उदयपुर, सलूंबर, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों में 283 वन धन विकास केंद्रों को 85,349 लाभार्थियों के लिए स्वीकृत किया गया है। इन केंद्रों के माध्यम से शहद, आंवला, हल्दी, मिर्च, मक्का, चना, दालें, अचार और अन्य स्थानीय उत्पादों की प्रोसेसिंग तथा बिक्री को बढ़ावा दिया जा रहा है।

## विद्यार्थियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान, छात्रावास और मां-बाड़ी केंद्रों का विस्तार

जनजातीय समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक आदिवासी क्षेत्रों में दूरस्थ गांवों, आर्थिक कठिनाइयों और आवागमन की समस्याओं के कारण बच्चों को नियमित शिक्षा से जोड़ना चुनौतीपूर्ण रहा है।

राज्य सरकार ने इस दिशा में आश्रम छात्रावासों, मां-बाड़ी केंद्रों और आवासीय विद्यालयों को मजबूत करने की योजना बनाई है। वर्ष 2026-27 के बजट में 30,375 विद्यार्थियों को आश्रम छात्रावासों के माध्यम से लाभान्वित करने, 97,470 विद्यार्थियों को मां-बाड़ी केंद्रों से जोड़ने और 6,220 विद्यार्थियों को आवासीय एवं मॉडल पब्लिक स्कूलों के माध्यम से शिक्षा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त मां-बाड़ी केंद्रों में कार्यरत शिक्षाकर्मियों, महिला सहयोगिनियों, स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मियों के मानदेय में वृद्धि की गई है। प्रदेश में 250 नए मां-बाड़ी केंद्र खोलने के आदेश भी जारी किए गए हैं। छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों का मैस भत्ता बढ़ाकर 3,250 रुपये प्रतिमाह किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर पोषण और आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाना है। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में आधुनिक शिक्षा सुविधाएं विकसित करने की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं। राजस्थान के 11 जिलों के 29 एकलव्य विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर लैब स्थापित करने के लिए 16.01 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी मिली है।

## विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए विशेष सहायता

राजस्थान में सहरिया, खैरवा और कथौड़ी जैसे समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। वर्ष 2026-27 के बजट में लगभग 1.30 लाख पात्र व्यक्तियों को दाल, तेल और देशी घी का निःशुल्क वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए सामुदायिक क्रेच की व्यवस्था, कौशल प्रशिक्षण, आवासीय सुविधाएं और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर ध्यान दिया जा रहा है। जुलाई 2026 में जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए 196.39 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

## स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और सिकल सेल बीमारी पर विशेष पहल

जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना सरकार के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती रही है। पहाड़ी और दूरस्थ गांवों में रहने वाले परिवारों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। आदिवासी समाज में सिकल सेल बीमारी की पहचान और रोकथाम के लिए भी विशेष पहल की गई है। उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज में सिकल सेल बीमारी की जांच, परामर्श और जागरूकता के लिए सेंटर ऑफ कॉम्पिटेंस स्थापित करने हेतु 3.10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

## वन अधिकार प्रकोष्ठों से पट्टों की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रयास

वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत पात्र परिवारों के दावों की प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने वन अधिकार प्रकोष्ठ स्थापित करने की पहल की है। राज्य में कुल 19 वन अधिकार प्रकोष्ठों के गठन के लिए 3.45 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 18 जिला स्तरीय और एक राज्य स्तरीय प्रकोष्ठ शामिल हैं। इनका उद्देश्य वन अधिकार दावों की प्रक्रिया में सहायता करना, रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करना और पात्र आवेदकों को उनके अधिकार दिलाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना है। यह पहल आदिवासी परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वन अधिकार पट्टे मिलने से उन्हें अपनी आजीविका और सरकारी योजनाओं से जुड़ने में सुविधा मिल सकती है।

## आदिवासी युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और उद्यमिता के अवसर

जनजातीय क्षेत्रों के युवाओं को केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रखने के बजाय कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार से जोड़ने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उदयपुर में अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र स्थापित करने की पहल की गई है। इसके अलावा युवाओं को स्थानीय जरूरतों और बाजार की मांग के अनुसार प्रशिक्षण देने की योजनाएं बनाई गई हैं।

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 925 करोड़ रुपये के ऋण वितरण की जानकारी मुख्यमंत्री ने अपने उदयपुर संभाग के कार्यक्रम में दी। इस योजना का उद्देश्य पात्र दलित एवं आदिवासी उद्यमियों को कारोबार स्थापित करने और उसका विस्तार करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाना है।

## रामचरितमानस भारत का आदर्श ग्रंथ है : स्वामी श्री विशोकानंद

**स्वामी श्री सोमेश्वरानंद भारती जी महाराज के 34वें निर्वाण दिवस महोत्सव के द्वितीय दिवस पर संतों के प्रवचन एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित**



**बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)।** धनीनाथ गिरी मठ पंच मंदिर प्रांगण में पूर्व अधिष्ठाता राजगुरु बीकानेर ब्रह्मलीन स्वामी श्री सोमेश्वरानंद भारती जी महाराज के 34वें निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पंचदिवसीय निर्वाण महोत्सव के द्वितीय दिवस पर संतों के प्रवचन एवं विभिन्न धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इस अवसर पर निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर राजगुरु बीकानेर स्वामी श्री विशोकानंद भारती जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि रामचरितमानस भारत का आदर्श ग्रंथ है। अपौरुषेय वेदों को गहराई से समझने के लिए वेदांगों का अध्ययन आवश्यक है। कलियुग में भगवान वेदव्यास जी के अवतारी स्वरूप गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने वेदों के सार को सरल भाषा में प्रस्तुत करते हुए रामचरितमानस जैसे महान आदर्श ग्रंथ की रचना की। मानस का प्रत्येक पात्र भारतीय समाज के लिए आदर्श एवं प्रेरणास्रोत है। मनुष्य रामचरितमानस से जीवनोपयोगी शिक्षा ग्रहण कर अपने भीतर के पशुभाव को दूर कर सकता है तथा सद्गुणों, मर्यादा और मानवीय मूल्यों को आत्मसात कर सकता है।

कार्यक्रम में हरिद्वार से पधारे संत श्री मोहन दास जी महाराज, संत श्री तपेश्वर दास जी महाराज तथा मेरठ से पधारे महंत स्वामी श्री भगवत भारती जी महाराज ने भी धर्म, अध्यात्म एवं भारतीय संस्कृति पर प्रेरणादायी प्रवचन दिए। निर्वाण महोत्सव के द्वितीय दिवस पर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए 'मंदोदरी एवं सुलोचना चरित्र' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में लक्ष्य तँवर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ध्रुव छाबड़ा एवं चंद्रेश लड्ढा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान पर प्रतिभागी रहे। इस अवसर पर वैद्य वाचस्पति जोशी, श्री गोपाल व्यास, शंकर सिंह राठौर, अरुण पुरोहित, अशोक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## दीप प्रज्वलन और श्रमदान के साथ गोपाष्टमी महोत्सव का शुभारम्भ

**बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)।** श्रीगंगानगर रोड, कानासर फांटा स्थित संत भावनाथ आश्रम गौशाला में रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्वलन कर तीन दिवसीय गोपाष्टमी महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। आश्रम से जुड़े प्रहलाद ओझा 'भैरूं' ने बताया कि संत भावनाथ महाराज,टाटा मोटर्स के धन सिंह काजला,आश्रम स्थित मंदिर के पुजारी विष्णु भाटी,समाज सेवी मुरली जोशी एवं सोहन महाराज उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर गोपाष्टमी महोत्सव का शुभारम्भ किया ।प.सुरेश महाराज एवं सोहन महाराज ने स्वस्तिवाचन व मंगलाचरण का पाठ किया तथा गो माता का सामूहिक जयकारा लगवाया जिससे संपूर्ण आश्रम परिसर गो सेवा भक्तिमय हो गया।

**'ठाण' - 'खेली' की सफाई,कुंडियों में जल भरा प्लास्टिक जलाया :** महोत्सव शुभारंभ के साथ ही आश्रम से जुड़े श्रद्धालुओं और गो सेवकों ने गौशाला क्षेत्र में वृहद स्तर पर श्रमदान शुरू किया। सेवादारों ने गौशाला के भीतर और उसके आसपास के संपूर्ण क्षेत्र में सघन सफाई अभियान चलाया। इस दौरान पूरे गौ शाला के आस पास क्षेत्र से बिखरे हुए प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर जलाया गया । गोवंश के चारे के लिए बने 'ठाण' और खुले क्षेत्र में बनी पानी की 'खेलियों' की भी अच्छी तरह से सफाई की गई। कुंडियों में स्वच्छ जल भरा गया। श्रमदान में केशरी सिंह,नीरज भाटी,भूराराम कुम्भार,बद्री महाराज सहित अनेक गोभक्तों ने अपनी सक्रिय सेवाएं दीं।

इससे पूर्व डॉ. कपिल पारी ने कहा कि गो सेवा और श्रमदान केवल पर्वों तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को श्रमदान और गो सेवा को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए अथवा कम से कम सप्ताह में एक दिन तो गो सेवा जरूर करनी चाहिए।

**फहरेगी कीर्ति पताका, संत सानिध्य में होंगे 5 संकल्प :** गोपाष्टमी महोत्सव के दौरान सोमवार को गो कीर्ति पताका को गौशाला में विधिवत फहराई और स्थापित की जाएगी। श्रद्धालुओं द्वारा गौशाला की परिक्रमा की जाएगी। गो महत्व पर विशेष व्याख्यान और भजन संकीर्तन का आयोजन होगा। प्रहलाद ओझा 'भैरूं' ने बताया कि महोत्सव के दौरान सोमवार को विशेष रूप से गो सेवा के 5 संकल्प होंगें संत भावनाथ महाराज के सानिध्य में आश्रम से जुड़े श्रद्धालुओं को पहली रोटी गाय को खिलाने,घर के बाहर प्लास्टिक थैलियां न फेंक कर उसे जलाने,जन्मदिन एवं शादी की वर्षगांठ को गौ शाला में सामर्थ्य के अनुसार गुड़ चारा गायों को खिलाने,माह में कम से कम एक दिन परिवार सहित पहुंचकर गो शाला में श्रम दान करने एवं गो हत्या बंद तथा गो संरक्षण के लिए आवाज उठाने के 5 संकल्प दिलाए जाएंगे।

## बीकानेर के चहुमुखी विकास और समस्या समाधान हेतु बीकानेर के संभ्रान्त नागरिकों ने बीकानेर विकास मंच के गठन की नींव रखी

**बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)।** रविवार दोपहर 1:00 बजे मोहता भवन नजदीक रतन बिहारी पार्क में बीकानेर के नागरिकों के एक बैठक रखी गई।जिसमे विजय कोचर को सर्वमत से बीकानेर विकास मंच का संयोजक और सूरजमाल सिंह नीमराना को बीकानेर विकास मंच का समव्यक्त घोषित किया गया।

बीकानेर विकास मंच के गठन की प्रक्रिया में उपस्थित जन समुदाय ने मुकेश जोशी को संगठन का संयोजक और समन्वयक घोषित करने के निर्णय का अधिकार सर्व सम्मती से दिया! मुकेश जोशी ने सभी उपस्थित बीकानेर नागरिकों की भावना जानकर बीकानेर विकास मंच का संयोजक विजय कोचर और समन्वयक सूरजमाल सिंह नीमराना के नामों की घोषणा की। उपस्थित जनसमुदाय ने तालियां बजाकर इस घोषणा का स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता नरसिंग भाटी रिटायर्ड अधीक्षक कस्टम विभाग द्वारा की गई। बैठक में लक्ष्मण मोदी, संजय गोस्वामी, रामदयाल सिंह राजपुरोहित, मुकेश जोशी ,बलदेव दास भादानी ,शशांक गंगल ,ममता सिंह, माया भाटी ,रामेश्वर सोनी साधक, त्रिलोक सिंह चौहान, राजेश आचार्य आदि ने विचार रखें। बैठक के शुभारंभ में सरस्वती वंदना राम भक्त नवीन गोस्वामी द्वारा की गई। बैठक के दौरान एक संचालन समिति बनाने की घोषणा भी की गई जिसका प्रमुख समाजसेवी संतोष बांठिया को बनाया गया।

## अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान ने मूंगड़ा रोड सब्जी मंडी का किया निरीक्षण

**बालोतरा, (हुक्मनामा समाचार)।** अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान ने रविवार प्रातः मूंगड़ा रोड स्थित सब्जी मंडी का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी परिसर में यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, सब्जी विक्रेताओं की ओर से किए जा रहे व्यवसाय तथा वाहनों की पार्किंग व्यवस्था का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान ने मंडी परिसर में आने वाले वाहनों को निर्धारित एवं व्यवस्थित तरीके से पार्क करवाने के निर्देश दिए, ताकि आवागमन बाधित नहीं हो। उन्होंने मंडी परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की हिदायत देते हुए इसके स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सब्जी विक्रेताओं के ठेलों को व्यवस्थित तरीके से निर्धारित स्थान पर खड़ा करवाने तथा अनावश्यक रूप से जगह घेरकर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वालों को पाबंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडी में आने वाले व्यापारियों, ग्राहकों एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने संबंधितों को मंडी परिसर में व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने, अतिक्रमण एवं अव्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा यातायात को सुगम बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

## चौथे चरण में सरपंच, पंच पद के लिए मतदान आज

**बालोतरा, (हुक्मनामा समाचार)।** राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 की घोषणा के तहत जिले में सरपंच, पंच और उप सरंपच पदों के लिए निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार चौथे चरण में जिले की बालोतरा, पादरू, पायला कला, पाटोदी और सिवाना पंचायत समिति के अधीन आने वाली ग्राम पंचायतों में सरपंच और पंच पदों के लिए मतदान 16 नवम्बर 2026, सोमवार को होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुशील कुमार यादव ने बताया कि चौथे चरण में जिले की बालोतरा, पादरू, पायला कला, पाटोदी और सिवाना पंचायत समिति के अधीन आने वाली ग्राम पंचायतों में सरपंच और पंच पदों के लिए 16 नवम्बर को प्रातः 7 बजे से लेकर सायं 6 बजे तक मतदान होगा।

### आठवीं क्वानकिडो स्टेट चैम्पियनशिप बीकानेर में हुई सम्पन

# बीकानेर जिले ने ओवरऑल चेम्पियन ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

### जीते 57 गोल्ड, 05 सिल्वर व 03 ब्रोंज सहित कुल 65 स्टेट मेडल




**बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)।** आठवीं राजस्थान स्टेट क्वानकिडो चैम्पियनशिप पुगल रोड़ स्थित रायन इंटरनेशनल स्कूल बीकानेर में आयोजित की गई।

क्वानकिडो एसोसिएशन राजस्थान स्टेट प्रेसीडेंट देवेन्द्र सारस्वत ने मेडल सेरेमनी कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान प्रदेश में वियतनामी मार्शल आर्ट्स क्वानकिडो खेल तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। राजस्थान प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले चयनित बालक एवं बालिका आठ से दस जनवरी 2027 में कटक ओडिशा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगें।

इससे पहले स्टेट चैम्पियनशिप का शुभारंभ कार्यक्रम अध्यक्ष रायन इंटरनेशनल स्कूल प्रिंसिपल रितु अजय चौरे, मुख्य अतिथि बीकानेर मेयर अनिल कल्ला, बीकानेर जिला ओलंपिक संघ जिला महासचिव माणकचंद व्यास, गायत्री परिजन शोभा सारस्वत, ममता सारस्वत, अभाविप खेलो भारत जोधपुर प्रांत संयोजक हिमांशु सारस्वत ने सरस्वती माता के तेल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया। मुख्य अतिथि बीकानेर मेयर अनिल कल्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि खेलो से खिलाडियों में परिश्रम, अनुशासन, लग्न, आत्मविश्वास और विनम्रता जैसे गुणों का विकास होता है। जिससे खिलाड़ियों को वांछित सफलता प्राप्त होती है तथा यहा खिलाड़ी देश व समाज का नाम रोशन करते हैं। जिला महासचिव मानकचंद व्यास ने संबोधित करते हुए कहा कि खेल उपलब्धियों में बीकानेर के क्वानकिडो खिलाड़ियों का भी नाम गौरव से लिया जाता है। ये सब खिलाड़ियों और उनके कोचेज ट्रेनर की मेहनत का ही सुखद परिणाम है।

आयोजन सचिव एवं स्टेट टेक्निकल डायरेक्टर धनंजय सारस्वत ने बताया कि क्वानकिडो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 05 वर्ष से 60 वर्ष तक की पीवी, चिल्ड्रन, सब-जुनियर, कैडेट, जुनियर, सीनियर केटेगरी एवं 35 वर्ष से अधिक के मास्टर केटेगरी के 17 जिलों के 200 से अधिक बालक बालिकाओं महिला पुरुषों ने प्रतिभाग किया।

जिसमें 59 गोल्ड, 08 सिल्वर व 01 ब्रोंज मेडल सहित कुल 68 स्टेट मेडल के साथ बीकानेर जिले के खिलाड़ियों ने ओवरऑल फर्स्ट चैम्पियन ट्रॉफी पर कब्जा किया। वहीं झुन्झुनू जिला 23 गोल्ड, 16 सिल्वर व 01 ब्रोंज सहित कुल 40 स्टेट मेडल के साथ सेकंड ट्रॉफी तथा हनुमानगढ़ जिले ने 15 गोल्ड व 06 सिल्वर सहित कुल 21 स्टेट मेडल के साथ ओवरऑल थर्ड ट्रॉफी तथा 09 गोल्ड, 07 सिल्वर व 02 ब्रोंज सहित कुल 18 स्टेट मेडल के साथ ओवरऑल चतुर्थ ट्रॉफी पर कब्जा किया।

## जोधपुर शहर में मची दिवाली स्नेह मिलन की धूम



**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** दीपावली पर्व के बाद से ही शहर में स्नेह मिलन की धूम मची हुई है। विभिन्न संस्था-संगठनों की ओर से कार्यक्रम हो रहे है। जोधपुर ऑर्थोपेडिक सर्जन्स सोसायटी द्वारा एक होटल में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अस्थि रोग विशेषज्ञों ने परिवार सहित उत्साहपूर्वक भाग लिया। सोसायटी के सचिव डॉ. अशोक बिश्नोई ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. अरुण वैश्य, डॉ. किशोर रायचंदानी, डॉ. राजीव सिवाच, डॉ. ओम शाह, डॉ. राजेश्वर कल्ला, डॉ. जी.एल. पुरोहित एवं डॉ. एस.पी. अग्रवाल का सम्मान किया गया। परिवारजनों के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिनका समन्वय डॉ. देवेंद्र सिंह गोदारा एवं डॉ. आशीष गौड़ ने किया। वहीं जैन महिला महासमिति जोधपुर संभाग द्वारा स्नेह मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में महासमिति की अध्यक्ष सीमा जैन के नेतृत्व में कोषाध्यक्ष संजू जैन, मंजू जैन, अनिला जैन, मोना जैन, मनीषा पांड्या, स्नेहा चांदीवाल, अंजू गंगवाल एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जया कासलीवाल सहित सैकड़ों सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में विमला चाबड़ा एवं सुधा जैन सहित अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। पूर्व मंत्री आशा जैन एवं अध्यक्ष सीमा जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। मंगलाचरण एवं नवकार मंत्र के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के दौरान महासमिति की नवनिर्वाचित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्यों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मिस्री ग्लोबल सेंटर एवं महावीर इंटरनेशनल संस्था की सचिव रूपल जैन के निर्देशन में सडक़ सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

## जोधपुर मंडल में आज से सजेगा रेल, खेल, कला व साहित्य महाकुंभ

### विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कर्मचारी दिखाएंगे अपना हुनर



**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में रेल कर्मचारियों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से 16 से 20 नवंबर तक रेल-खेल-कला-साहित्य महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा। मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी की पहल पर आयोजित इस महाकुंभ में कर्मचारियों को खेल, साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. सुनीता चौधरी ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक के संवाद से समाधान : डीआरएम के साथ कार्यक्रम की भावना के अनुरूप इस आयोजन की परिकल्पना की गई है। इसका उद्देश्य रेल कर्मचारियों में आपसी सौहार्द, टीम भावना और सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि 16 नवंबर को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय की ऑफिसर्स गैलरी एवं एसडीसी मंडल कार्यालय में निबंध लेखन, कविता लेखन, स्लोगन, रंगोली, मेहंदी, चित्रकला, पोस्टर निर्माण, रील मेकिंग, कविता पाठ एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में एकल एवं युगल गायन, नृत्य तथा सितार, गिटार, वायलिन, तबला, ढोलक, बांसुरी, शहनाई एवं हारमोनियम की प्रस्तुतियां होंगी।

## लोक गीतों से किया अस्ताचलगामी सूर्य की महिमा का गुणगान

### महिलाओं ने दिया अर्घ्य, विशेष पकवान 'ठेकुआ' का लगाया भोग



**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** पूर्वांचल के प्रमुख लोकपर्व छठ के तीसरे दिन रविवार को व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। शाम को अस्ताचलगामी सूर्यदेव का पूजन कर कंदमूल, ऋतु फलों, अदरक, ईख, हल्दी, आंवला, मूली व घरों में बने विशेष पकवान 'ठेकुआ' का भोग लगाया।

शाम को बिहार, झारखंड, उत्तरांचल राज्यों की प्रवासी महिलाएं बांस के टोकरे में पूजन सामग्री के साथ पारपरिक मंगल गीत गाते हुए जलाशय पहुंचीं। रातानाडा गणेश मंदिर के सामने जलाशय पर बड़ी संख्या में प्रवासी राज्यों की महिलाओं ने पूजन सामग्री के चारों ओर दीप प्रज्वलित कर छठ माई से जुड़े लोकगीतों में सूर्यदेव की महिमा का गुणगान किया। सूर्यास्त के समय अर्घ्य देकर परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद महिलाएं छठ माता से जुड़े पारपरिक लोक गीत गाते हुए घरों की ओर रवाना हुई। कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड मंछापूर्ण महेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में व्रती महिलाओं ने छठ पूजा की। इसके अलावा बासनी औद्योगिक क्षेत्र, मधुबन हाउसिंग बोर्ड, आर्मी सैन्य क्षेत्र में रहने वाले प्रवासी राज्यों के लोगों ने उत्साह के साथ पूजन किया।

रातानाडा स्थित गणेश मंदिर तालाब, कुड़ी, बोरानाडा सहित अनेक इलाकों में महिलाओं ने संतान सुख की कामना कर पूजन किया। तालाब के जल में आधे पानी में खड़े रहकर सूर्यास्त तक कामना की गई। दूसरी तरफ तालाब के बाहर बैठी महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए छठ माता को नमन किया। नई दुल्हनों ने अच्छी संतान की प्राप्ति की कामना करते हुए जल में नारियल अर्पण किया। मनोकामना पूर्ति के लिए छठ मैय्या को याद कर पुरुषों ने जल में खड़े रहकर अर्घ्य देते हुए पूजन किया। सोमवार को छठ पूजा के अंतिम दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही पूजा और 36 घंटे के व्रत का समापन होगा।

**एआईसीटीयू का संभागीय कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न**

# अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षों को व्यापक बनाने का आह्वान



**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** एआईसीटीयू का संभागीय कार्यकर्ता सम्मेलन रेजिडेन्सी रोड स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान केन्द्र गांधी भवन के सभागार में सम्पन्न हुआ।

सम्मेलन आरंभ होने से पूर्व वरिष्ठ पोलित ब्यूरो सदस्य कुलदीप सिंह ने झण्डारोहण की रस्म अदा की। सम्मेलन का विधिवत् उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. वी. रेड्डी ने किया। सम्मेलन को गोपीकिशन, बृजकिशोर नदीम खान, रामपाल सैनी, विरेन्द्र चौधरी, टी. एन तिवारी, मेहबूब अली, वहिदुदीन, हबीबुर्रहमान, मुस्तकीम खिलजी, कालू राम गुर्जर, मांगू सिंह, राजाराम, फिरोज खान सिंधी, अनवर हुसैन, राजेन्द्र सिंह, बाबू देवासी, आन्ध्रप्रदेश से चन्द्र राव, तेलंगाना से चन्द्रशेखर, बिहार से मनोरंजन, पंजाब से मल्कियत सिंह, सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। गोपीकिशन ने सम्मेलन में संभाग सहित प्रदेश के मजदूर आंदोलन की स्थिति से अवगत कराया।

उन्होंने यूनियन द्वारा किये गये कार्यों और उपलब्धियों के बारे में बताया और संघर्षो को व्यापक बनाने का आह्वान किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि औद्योगिक संस्थान बंद होने से लाखो श्रमिक बेरोजगार हुए हैं, और पूंजीवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे है। वक्ताओं ने कहा कि साम्राज्यवादी पूंजीवाद से लडने के लिये विभिन्न तरीके अपनाने पड़ेंगे। श्रमिकों की सबसे बड़ी लड़ाई पूंजीवाद के विरूद्ध है तथा इसके मिटने तक यह लड़ाई जारी रहेगी। सम्मेलन को संबोधित करते हुए महासचिव गोपीकिशन ने कहा कि श्रम कानूनों के लाभ श्रमिकों को दिलाने, न्यूनतम वेतन में वृद्धि, महंगाई पर रोक लगाने, ठेका प्रथा पर रोक लगाने, बेरोजगारी समाप्त करने, खाद्यान्न वस्तुओं की वृद्धि पर रोक लगाने के लिए श्रमिक आंदोलनों को मजबूत करने का आह्वनं किया एवं विभिन्न ज्वलंत समस्याओं की ओर कार्यकर्ताओं का ध्यान केन्द्रित किया। उन्होंने ठेकेदारी प्रथा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इससे श्रमिक वर्ग दोहरे शोषण का शिकार है। उन्होंने शोषण उत्पीडऩ से मुक्ति के लिये संघर्षो को व्यापक बनाने का आ?ह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि वामपंथी शक्तियों को प्रभावशाली बनाकर ही देश और मेहनतकश जनता को बचाया जा सकता है। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में वामपंथी जनवादी ताकतों के उभार की जरूरत पर बल दिया और कहा कि इसके बिना वर्तमान सरमायेदारी व्यवस्था का विकल्प संभव नहीं है। सम्मेलन की संयुक्त अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष बृजकिशोर व चन्द्र राव ने की।

**घांची समाज में शिक्षा केंद्र का शुभारंभ**

## ज्ञानदीप क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित



**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** घांची नवयुवक मंडल सेवा समिति की ओर से समाज में शिक्षा, संस्कार एवं विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित शिक्षा केंद्र का शुभारंभ डॉ. श्याम सुंदर सोलंकी के कर-कमलों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन नैनूराम स्मृति हॉल, श्री घांची समाज की बगेची बाईजी का तालाब स्थित नए सभागार भवन में किया गया। इस अवसर पर श्री घांची महासभा के अध्यक्ष राजेंद्र सोलंकी, महासचिव किशोर चंद भाटी, कोषाध्यक्ष अचलूराम सोलंकी, लक्ष्मीनारायण भाटी, नवयुवक मंडल के संरक्षक एडवोकेट अशोक परिहार, राजेंद्र भाटी, किशनलाल बोराणा, नंदकिशोर परिहार, संजीव बोराणा, सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष पंकज भाटी, सचिव धनराज बोराणा, कोषाध्यक्ष सन्नी परिहार सहित सीए कमलेश भाटी, गौरव सोलंकी, जितेंद्र भाटी, शुभम भाटी, गौरव पंवार, नवनीत परिहार, राज भाटी, राधेश्याम भाटी, लख्मी गहलोत, संतोष परिहार, अंजू परिहार, सुनीता परिहार आदि भी उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष पंकज भाटी ने बताया कि शिक्षा केंद्र के शुभारंभ के साथ ही घांची नवयुवक मंडल सेवा समिति की ओर से श्री घांची समाज ज्ञानदीप क्विज़ प्रतियोगिता-2026 का आयोजन भी किया गया। विजेता प्रतिभागी को मेडल नकद पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागी को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान, तार्किक क्षमता एवं शैक्षणिक प्रतिभा को परखने के साथ-साथ उनमें प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति रुचि एवं आत्मविश्वास विकसित करने का प्रयास किया गया।

## 2 दिन से बोरवेल में फंसा है 9 साल का भोमाराम

### 4 से ज्यादा कोशिश फेल, मूवमेंट भी नहीं दिख रहा है, 640 फीट गहराई पर है बच्चा

**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** राजस्थान के फलोदी जिले में बोरवेल में गिरे भोमाराम (9) को शुक्रवार देर रात तक भी नहीं निकाला जा सका। हादसा गुरुवार (15 अक्टूबर) दोपहर को पूनिया की ढाणी में हुआ।

यहां 1050 गहरे बोरवेल में गिरे भोमाराम को निकालने की चार से ज्यादा कोशिश फेल हो चुकी हैं। पहले एसडीआरएफ, फिर एनडीआरअफ की मदद ली गई।

शुक्रवार को देसी जुगाड़ से लोह का जाल बनाकर भी बोरवेल में डाला गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। शुक्रवार सुबह बोरवेल में डाले गए कैमरे में बच्चे का मूवमेंट दिखना भी बंद हो गया है।

जानकारी के अनुसार भोमराम बोरवेल में करीब 640 फी गहराई पर है, लेकिन कैमरा 30 फीट से आगे नहीं जा पा रहा है।

**पंचायत चुनाव में कांग्रेस का पलड़ा कहां भारी?**

# बाड़ाबंदी के बीच डोटासरा करेंगे दो दिवसीय महामंथन



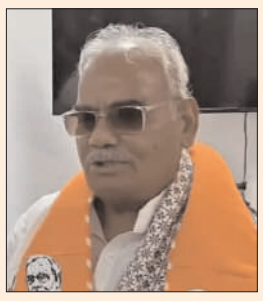

**जयपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** प्रदेश में चार चरणों में पंचायत चुनाव का मतदान संपन्न हो गया है। मतदान खत्म होते ही अब सियासी हलचल तेज हो गई है। एक तरफ भाजपा और कांग्रेस अपने-अपने समर्थित सदस्यों को एकजुट रखने के लिए बाड़ाबंदी की रणनीति में जुट गई हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस ने चुनावी नतीजों का आकलन शुरू कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पंचायत चुनाव को लेकर पार्टी के भीतर बड़े स्तर पर मंथन की तैयारी की है। इसके लिए 17 और 18 नवंबर को लगातार दो दिन कांग्रेस वॉर रूम में प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें हार-जीत के कारणों और संगठन की मजबूती पर चर्चा होगी।

200 पर्यवेक्षकों से वन-टू-वन लेंगे फीडबैक: बैठक में प्रदेशभर के सभी 200 पर्यवेक्षकों और जिला प्रभारियों को बुलाया गया है। डोटासरा खुद एक-एक पर्यवेक्षक और जिला प्रभारी से वन-टू-वन बातचीत कर पंचायत चुनाव का फीडबैक लेंगे। पार्टी ने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की पूरी जमीनी रिपोर्ट और चुनावी नतीजों का विस्तृत विश्लेषण लेकर आएं। बैठक में केवल जीत और हार के आंकड़ों पर ही चर्चा नहीं होगी, बल्कि यह भी पड़ताल की जाएगी कि आखिर किन कारणों से कांग्रेस को किन क्षेत्रों में सफलता मिली और कहां पार्टी को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाए।किस जिले में कांग्रेस मजबूत, कहां भाजपा ने मारी बाजी: पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस की इस कवायद का सबसे बड़ा मकसद यह पता लगाना है कि पंचायत चुनाव में पार्टी का पलड़ा आखिर कहां भारी रहा, किन जिला परिषदों और पंचायत समितियों में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया और किन क्षेत्रों में भाजपा ने मजबूत स्थिति बनाई। पर्यवेक्षकों से क्षेत्रवार चुनावी स्थिति, प्रत्याशियों की जीत-हार के अंतर, स्थानीय समीकरणों और संगठन की सक्रियता की जानकारी ली जाएगी। कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व यह भी जानना चाहता है कि किन क्षेत्रों में पार्टी के उम्मीदवारों को स्थानीय नेताओं के प्रभाव का फायदा मिला और कहां नेताओं की आपसी खींचतान और गुटबाजी ने चुनावी संभावनाओं को प्रभावित किया।

इसके अलावा निर्दलीय प्रत्याशियों की भूमिका और स्थानीय स्तर पर बने राजनीतिक समीकरणों पर भी चर्चा की जाएगी। बाड़ाबंदी के बीच जिला प्रमुख और प्रधान की कुर्सी पर नजर: डोटासरा पर्यवेक्षकों से यह भी जानकारी लेंगे कि किन जिलों में कांग्रेस की स्थिति मजबूत है, कहां बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने की संभावना है और किन जगहों पर अतिरिक्त समर्थन की जरूरत पड़ सकती है। बाड़ाबंदी के बीच पार्टी अपने निर्वाचित सदस्यों को एकजुट रखने और स्थानीय स्तर पर रणनीतिक तालमेल बनाने पर भी ध्यान देगी।संगठन की ताकत और नेताओं की भूमिका का भी होगा आकलन:दो दिवसीय बैठक में पंचायत चुनाव के दौरान कांग्रेस संगठन की सक्रियता भी समीक्षा के केंद्र में रहेगी। बूथ स्तर से लेकर ब्लॉक और जिला स्तर तक संगठन ने कितनी मजबूती से काम किया, स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने कितनी सक्रिय भूमिका निभाई तथा प्रत्याशियों के पक्ष में कितना प्रभावी चुनाव प्रचार हुआ, इन सभी पहलुओं पर रिपोर्ट ली जाएगी।

## गहलोत जेजेएम का सारा पैसा खा गएः दिलावर

### शिक्षा मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री पर साधा निशाना



**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** प्रदेश के शिक्षा मंत्री और जोधपुर जिला प्रभारी मदन दिलावर ने एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस सरकार में जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बजट फाइल्स सीरीज में जल जीवन मिशन पर जारी किए वीडियो के सवाल पर दिलावर ने कहा कि उनके पास यही काम बच गया। उन्होंने कुछ काम किया तो है नहीं। सारा पैसा जलजीवन मिशन में खा गए और वो कह रहे हैं कि काम फाइलों में हो रहा है। सारा पैसा तो वो डकार गए, तो चोर सलाह दे रहे हैं। अच्छी बात है उनको सद्बुद्धि आई है लेकिन सारे चोरों के सरगना तो वही थे। मदन दिलावर रविवार को जोधपुर सर्किट हाउस में मीडिया से बात कर रहे थे।

दिलावर ने कहा कि वो फाइल खोलें, चलाएं फाइल, कितना पैसा कांग्रेस सरकार ने कहां-कहां खाया है, वो सब पता है। कितनी बार उनके पीएचईडी मंत्री जेल गए हैं, कितने उनके और अन्य लोग जेल गए हैं। उन्हीं के एक आरपीएससी के सदस्य ने कहा है कि मैं तो डेढ़ करोड़ देकर आया हूं। तो किसको देकर आया आए वो, कौन नियुक्ति करता था। मुख्यमंत्री करते थे ना, उन्हीं को दिए होंगे। उन्हीं के व्यक्ति से पूछना चाहिए उनको।

**कांग्रेस पर आतंकवाद के संरक्षण के आरोप**

वहीं, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब पर प्रतिक्रिया देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि किताब में लिखा है कि बाबरी ढांचा ढह रहा था तो उनकी आंखों में आंसू थे। पहली बात तो बाबरी ढांचा नहीं था, वो कलंकित ढांचा कारसेवकों ने ढाह दिया तो यह खुशी की बात थी। हिंदुओं को आपमानित करने के लिए इस प्रकार की बातें कह रहे हैं। इनके आंसू जब नहीं आए जब 1990 में 6 लाख हिंदुओं को मारकाट करके, लूटमार करके कश्मीर में बेघर कर दिया था।

## पूंजला नाडी में पौधारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** ऋतु महोत्सव के अंतर्गत श्री सैनिक क्षत्रिय पूंजला नाडी संरक्षण एवं पर्यावरण विकास संस्थान की ओर से पूंजला नाडी के विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के अध्यक्ष जगदीश देवड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी अखेसिंह गहलोत, अर्जुन सिंह गहलोत, अखेसिंह टाक, विकास गहलोत एवं रमेश परिहार ने शिरकत की। इस अवसर पर अतिथियों ने पूंजला नाडी परिसर में कदम, आम, अमरूद, शहतूत, अनार एवं बेलपत्र सहित विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए। साथ ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। अतिथियों ने संभाग में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे सभी पर्यावरण प्रेमियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान युधिष्ठिर सिंह गहलोत ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यकर्ता भागीरथ परिहार, बलवीर गहलोत, ओमप्रकाश देवड़ा, जितेंद्र सिंह गहलोत, मयंक गहलोत, हजारी सिंह गहलोत, अर्जुन सिंह गहलोत, भतुराम परिहार, रितिक आचार्य, राकेश सहित अन्य सदस्यों ने सहयोग किया।

## सिद्ध गणेश मंदिर में 121 व्यंजनों का लगा भोग, धूमधाम से मनाया अन्नकूट महोत्सव

**जोधपुर ( हुक्मनामा समाचार )।** श्री ब्राह्मण स्वर्णकार समाज की मोहनपुरा रोड स्थित सुनारों की बगेची प्रांगण में स्थित सिद्ध गणेश मंदिर में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर भगवान श्री गणेश महाराज को 121 विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया।

इस अवसर पर समाजबंधुओं के लिए मंदिर प्रांगण में अन्नकूट की प्रसादी ग्रहण करने की विशेष व्यवस्था भी की गई थी।अन्नकूट महोत्सव के सफल आयोजन में शिवप्रकाश बाडमेरा, मनीष जालोरा, दीपक कट्टा, दीपक मंडोरा, दीपक कश्यप, अक्षय बाडमेरा, कैलाश कट्टा, श्याम काला, दुष्यंत लाड़नवाल एवं अनिल जालोरा का विशेष सहयोग रहा।

## विशेष शिविर आयोजन का कार्यक्रम निर्धारित

**जैसलमेर ( हुक्मनामा समाचार )।** जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, जैसलमेर में 17 18 एवं 19 नवम्बर 2026 को आईसीआईसीआई बैंक ICICI Bank की विशेष टीम द्वारा तीन दिवसीय शिविर का आयोजन का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी जैसलमेर कर्नल अजय शुक्ला (से.नि.) ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में रक्षा मंत्रालय द्वारा ICICI Bank को स्पर्श Sparsh प्रणाली के लिए नोडल अधिकारी/बैंक के रूप में नियुक्त किया गया है।

**शिविर के दौरान किये जाने वाले प्रमुख कार्य**

स्पर्श एवं बैंक संबंधी समस्याओं का समाधान: उन्होनें बताया कि निर्धारित की गई इन तीन दिवसीय शिविर कार्यक्रक के दौरान इसके लिए पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं एवं उनके आश्रितों को बैंक पेंशन व स्पर्श पोर्टल से आ रही किसी भी प्रकार की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा।

शिविर का स्थान एवं समय

स्थान जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, जैसलमेर रेलवे स्टेशन के पास, अशोका होटल के पीछे, जैसलमेर

**समय: प्रात: 10:00 बजे से सायंकाल 04:00 बजे तक**

आवश्यक दस्तावेज शिविर में आने वाले पूर्व सैनिक एवं वीरांगनाएँ अपने साथ स्पर्श पीपीओ, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक तथा आधार से लिंक मोबाईल नं. अवश्य साथ लेकर आएं।

जैसलमेर एवं आसपास के क्षेत्र के सभी पूर्व सैनिकों, पेंशनर्स एवं वीरांगनाओं से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर की सेवाओं का लाभ उठाएं।

तीन साल के कार्यकाल में योजनाओं की मॉनिटरिंग को बनाया प्राथमिकता

# योजनाओं की घोषणा नहीं, धरातल पर लाभ पहुंचाना है असली सुशासन...

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बदली सरकारी कामकाज की कार्यशैली

आमजन तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता बन रही सरकार की पहचान



**मुख्यमंत्री खुद ले रहे हैं विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक**

**जयपुर (हुक्मनामा समाचार)।** लोकतंत्र में किसी भी सरकार की सफलता का आकलन केवल इस बात से नहीं होता कि उसने अपने कार्यकाल में कितनी योजनाओं की घोषणा की, कितने नए कार्यक्रम शुरू किए या कितने बड़े-बड़े वादे किए। सरकार की वास्तविक सफलता इस बात में छिपी होती है कि उसकी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंचा। सरकारी फाइलों में दर्ज उपलब्धियां तभी सार्थक होती हैं, जब उनका सकारात्मक असर आम आदमी के जीवन में दिखाई दे। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के कामकाज को इसी कसौटी पर देखने की जरूरत है। सरकार के तीन वर्ष पूरे होने की ओर बढ़ते इस दौर में एक बात विशेष रूप से चर्चा में है कि मुख्यमंत्री स्वयं सरकारी योजनाओं की प्रगति, उनके क्रियान्वयन और आमजन को मिल रहे लाभ को लेकर सक्रिय नजर आते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली में सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह दिखाई देता है कि वे योजनाओं की शुरुआत को ही अंतिम उपलब्धि नहीं मानते, बल्कि उनके परिणामों पर भी ध्यान देते हैं। बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं के रोजगार, किसानों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को लेकर सरकार की प्राथमिकता केवल बजट आवंटन अथवा प्रशासनिक आदेश जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचे, पात्र परिवार किसी तकनीकी अथवा प्रशासनिक अड़चन के कारण वंचित न रहे और सरकारी व्यवस्था में जवाबदेही बनी रहे, यही सुशासन का वास्तविक अर्थ है।

**प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली से मिली प्रेरणा :** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कई अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और कार्यशैली से प्रेरणा मिलने की बात कह चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली में समयबद्ध लक्ष्य, योजनाओं की निगरानी, तकनीक का उपयोग और परिणाम आधारित प्रशासन को विशेष महत्व दिया जाता है। इसी सोच का प्रभाव राज्य सरकार की कार्यप्रणाली में भी दिखाई देना चाहिए। मुख्यमंत्री के लिए यह आवश्यक है कि वे केवल विभागों की बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था को इस तरह सक्रिय रखें कि प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय हो। अधिकारियों को यह स्पष्ट संदेश मिले कि सरकार की प्राथमिकता आमजन को राहत पहुंचाना है और इसमें किसी तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री का समय देना, योजनाओं की समीक्षा करना और अधिकारियों से प्रगति की जानकारी लेना प्रशासनिक व्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया की असली सफलता तभी मानी जाएगी, जब समीक्षा के बाद सामने आने वाली कमियों का समाधान भी समयबद्ध तरीके से हो।

### केंद्र और राज्य की योजनाओं का समन्वय बना विकास का आधार

**राजस्थान में केंद्र सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं भी संचालित हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण परिवारों और मध्यम वर्ग के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। दूसरी ओर राज्य सरकार भी अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रही है। ऐसे में राज्य सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। केंद्र की योजनाओं का लाभ राजस्थान के पात्र नागरिकों तक पहुंचाना, राज्य की योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करना और दोनों स्तरों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना किसी भी मुख्यमंत्री के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस दिशा में प्रशासनिक समन्वय और योजनाओं की प्रगति को प्राथमिकता दे रहे हैं। बिजली और ऊर्जा के क्षेत्र में आमजन को राहत देने के प्रयास हों, पेयजल से जुड़ी परियोजनाएं हों, किसानों के हितों से जुड़े कार्यक्रम हों अथवा युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसरों का विस्तार, इन सभी क्षेत्रों में सरकार की कार्यशैली का मूल्यांकन उनके वास्तविक परिणामों से ही होगा।**

### सामान्य परिवार से आने का अनुभव, आमजन की जरूरतों की समझ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का राजनीतिक और सामाजिक सफर भी उनकी कार्यशैली को समझने का एक महत्वपूर्ण आधार है। वे एक सामान्य परिवार से आते हैं और संगठन के विभिन्न स्तरों पर काम करते हुए मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे हैं। इसलिए आम परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतों, आर्थिक चुनौतियों और सरकारी सहायता के महत्व को समझना उनके लिए केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार का विषय भी है। एक गरीब परिवार के लिए बिजली बिल में राहत, घर तक पानी पहुंचना, बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलना, युवा को रोजगार का अवसर मिलना अथवा किसान को समय पर सरकारी सहायता मिलना बहुत बड़ी बात होती है। कई बार किसी परिवार की आर्थिक स्थिति में छोटा-सा सरकारी सहयोग भी बड़ा बदलाव ला सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि सरकार की ओर से घोषित प्रत्येक सुविधा वास्तविक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री की सक्रियता का महत्व इसी बात में है कि वे योजनाओं को आमजन के जीवन में बदलाव लाने का माध्यम बनाने पर जोर देते दिखाई देते हैं। सरकार की योजनाओं की उपयोगिता तभी सिद्ध होगी, जब प्रदेश का सामान्य नागरिक यह महसूस करे कि शासन उसकी समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर है।

**राजनीतिक विरासत से अलग अपनी पहचान बनाने की चुनौती :** राजस्थान की राजनीति में पिछले लगभग ढाई दशकों तक अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे दो प्रमुख मुख्यमंत्री चेहरों के रूप में रहे हैं। दोनों नेताओं का प्रदेश की राजनीति और प्रशासन पर गहरा प्रभाव रहा है। ऐसे राजनीतिक परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2023 में एक नए चेहरे के रूप में पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी। यह निर्णय अपने आप में राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था। संगठन में लंबे समय तक काम करने वाले एक कार्यकर्ता को प्रदेश की सबसे बड़ी जिम्मेदारी देना भाजपा की संगठनात्मक राजनीति का भी संदेश था। मुख्यमंत्री बनने के बाद भजनलाल शर्मा के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी अपनी अलग प्रशासनिक और राजनीतिक पहचान स्थापित करना। तीन वर्ष के करीब पहुंचते कार्यकाल में उन्होंने अपनी कार्यशैली के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया है कि सरकार की प्राथमिकता योजनाओं को गति देना, विकास कार्यों को आगे बढ़ाना और आमजन से जुड़े विषयों पर सक्रिय रहना है। किसी भी नए मुख्यमंत्री के लिए यह सफर आसान नहीं होता, क्योंकि जनता की अपेक्षाएं बहुत अधिक होती हैं और हर निर्णय का आकलन राजनीतिक एवं प्रशासनिक दोनों स्तरों पर होता है। सरकार की उपलब्धियों की चर्चा के साथ उन चुनौतियों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जिनका सामना राजस्थान को करना पड़ रहा है। योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचाना, ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं की गुणवत्ता सुधारना, बेरोजगारी की चुनौती से निपटना, पेयजल की स्थायी व्यवस्था करना और स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना लगातार प्रयास मांगता है। मुख्यमंत्री की सक्रियता तभी स्थायी परिणाम दे पाएगी, जब जिला प्रशासन से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक जवाबदेही सुनिश्चित हो।

### योजनाओं की सफलता का असली पैमाना है अंतिम व्यक्ति तक लाभ

राजस्थान जैसे विशाल भौगोलिक क्षेत्र और विविध सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों वाले प्रदेश में सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना आसान काम नहीं है। प्रदेश के दूरदराज के गांवों से लेकर बड़े शहरों तक जरूरतें अलग-अलग हैं। कहीं पेयजल की समस्या है, कहीं बिजली की उपलब्धता चुनौती है, तो कहीं युवाओं को रोजगार और किसानों को सरकारी सहायता की आवश्यकता है। ऐसे में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि योजनाओं का लाभ केवल कागजों तक सीमित न रहे। अक्सर देखा गया है कि सरकारें अच्छी योजनाएं बनाती हैं, उनके शुभारंभ भी बड़े स्तर पर होते हैं, लेकिन कुछ समय बाद उनकी नियमित निगरानी कमजोर पड़ जाती है। विभागीय अधिकारी अपने स्तर पर काम करते रहते हैं, योजनाओं की प्रगति की रिपोर्ट भी तैयार होती रहती है, लेकिन कई बार वास्तविक लाभार्थी की समस्या उच्च स्तर तक पहुंच ही नहीं पाती। परिणामस्वरूप पात्र व्यक्ति सरकारी सुविधा से वंचित रह जाता है। यहीं पर मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत सक्रियता और नियमित मॉनिटरिंग महत्वपूर्ण हो जाती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली का एक प्रमुख पक्ष यह है कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके परिणामों को लेकर अधिकारियों से जवाबदेही चाहते हैं। इसका संदेश प्रशासनिक तंत्र तक स्पष्ट रूप से जाता है कि केवल आदेश जारी कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका परिणाम भी दिखाई देना चाहिए।

### पूर्ववर्ती सरकारों की योजनाओं से सीखने की जरूरत

राजस्थान का राजनीतिक इतिहास देखें तो पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में भी कई महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू हुईं। दोनों नेताओं ने अपने-अपने कार्यकाल में जनता से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी। कई योजनाओं ने प्रदेश के लोगों को राहत भी पहुंचाई और उनका सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिला। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि पूर्ववर्ती सरकारों की योजनाएं अच्छी नहीं थीं। वास्तव में किसी भी सरकार की योजनाओं का मूल्यांकन उसके उद्देश्य, क्रियान्वयन और परिणामों के आधार पर होना चाहिए। हालांकि, शासन व्यवस्था में एक बड़ी चुनौती हमेशा बनी रही है कि योजनाओं की शुरुआत के बाद उनकी निरंतर निगरानी किस तरह सुनिश्चित की जाए। किसी भी योजना के सामने सबसे बड़ा खतरा यही होता है कि समय बीतने के साथ उसका उत्साह और प्रशासनिक प्राथमिकता कम हो जाए। मुख्यमंत्री बदल सकते हैं, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन जनकल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता और प्रभावी क्रियान्वयन बना रहना चाहिए। भजनलाल शर्मा सरकार के सामने भी यही अवसर है कि वह योजनाओं की मॉनिटरिंग को अपनी प्रशासनिक पहचान बनाए। यदि मुख्यमंत्री स्तर पर नियमित समीक्षा, विभागीय जवाबदेही और लाभार्थियों से सीधा फीडबैक लेने की व्यवस्था मजबूत होती है तो इससे सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता में निश्चित रूप से सुधार आ सकता है।

## ऑपरेशन त्रिनेत्रः हिस्ट्रीशीटर वसीम खान की 1.25 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

**प्रतापगढ़ (हुक्मनामा समाचार)।** जिला पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत हिस्ट्रीशीटर वसीम खान की करीब 1 करोड़ 25 लाख रुपये की संपत्ति फ्रीज की है। इसमें गांव देवल्दी स्थित आलीशान मकान, एक केटा कार और जॉन डियर ट्रैक्टर शामिल हैं।पुलिस अधीक्षक विशाल जांगिड़ के निर्देशन में थाना अरनोद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ(1) के तहत प्रस्ताव सक्षम प्राधिकारी, सफेमा नई दिल्ली को भेजा था। 13 नवंबर को फ्रीजिंग आदेश अनुमोदित होने के बाद 15 नवंबर को संपत्तियों पर कार्रवाई की गई।

## रामसिंहपुर रेलवे ट्रैक बम विस्फोट मामले में दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार,

### पाकिस्तानी हैंडलर से जुड़े तार

**जयपुर (हुक्मनामा समाचार)।** श्रीगंगानगर के रामसिंहपुर थाना क्षेत्र में 3 नवंबर को रेलवे ट्रैक पर हुए बम विस्फोट मामले में राजस्थान एटीएस और श्रीगंगानगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब के गुरदासपुर से दो आरोपियों महकदीप कौर और देवेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो विदेशी पिस्टल, 46 जिंदा कारतूस और वारदात के लिए मिले 30 हजार रुपये बरामद किए हैं। डीजीपी राजीव शर्मा और एडीजी दिनेश एमएन के निर्देशन में काउंटर इंटेलिजेंस पंजाब के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई की गई।

प्रारंभिक जांच में मुख्य आरोपी महकदीप कौर के पाकिस्तानी हैंडलर 'शाह' और पाकिस्तान में 'चाचा' नाम से पहचाने जाने वाले व्यक्ति के संपर्क में होने की जानकारी सामने आई है।जांच के अनुसार आरोपियों ने अक्टूबर में भी रेलवे ट्रैक पर विस्फोट की योजना बनाई थी, लेकिन बम उपलब्ध नहीं होने और बाद में



तकनीकी खामी के कारण प्रयास सफल नहीं हुए। अंततः 3 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे टाइमर बम से विस्फोट किया गया। पुलिस को ऑनलाइन भुगतान और सोशल मीडिया संपर्कों के जरिए साजिश के तार जोड़ने के संकेत मिले हैं।

### बाजी मारने की तैयारी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निकाय चुनाव के बाद पालिका चुनाव में भी बाजी मारने के लिए पूरी तैयारी कर ली है ज्यादा से ज्यादा प्रधान और प्रमुख बनने के लिए साम दाम दंड भेद का उपयोग किया जाएगा इसके लिए पर्याप्त समय रखा गया है इतने समय बाडा बंदी करना विपक्ष के किसी दावेदार के बस में नहीं है इसलिए जमकर हॉर्स ट्रेडिंग होगी। चुनाव में बस यही देखना है कि जिला परिषद और पंचायत प्रतिनिधि कांग्रेस के ज्यादा आते हैं या नहीं।

### जश्न की तैयारी।

सरकार के 3 वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर व्यापक और यादगार समारोह की तैयारी शुरू हो गई है दिल्ली से डेपुटेशन खत्म कर लौटे आईएएस अधिकारी गौरव गोयल को इसका जुम्मा सौंप दिया गया है वे डायनेमिक भी है और नए प्रयोग भी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री की इच्छा है कि वर्षगांठ के कार्यक्रमो की गूंज दिल्ली तक पहुंचे और ज्यादा से ज्यादा प्रदेशवासियों की इसमें भागीदारी हो।

### तूफान से पहले की शांति।

वरिष्ठ अधिकारी शिखर अग्रवाल को फसाने में कुछ अधिकारियों का ही योगदान बताया जा रहा है अब अग्रवाल छुट्टियों से लौटकर डी ओ पी मैं पद भार संभाल चुके हैं। और स्थिति कंट्रोल करने के साथ कुछ अधिकारियों की फाइल निपटाने के काम में भी लग गए हैं इनमें कुछ वर्तमान और कुछ निवर्तमान अधिकारी शामिल है। वैसे जिस तरह से अग्रवाल को घेरा गया है और उन्हें बदनाम करने की चेष्टा की गई है उससे ज्यादातर अधिकारी नाराज है।

### 199 का फेर।

राजस्थान विधानसभा का मौजूदा भवन जब से बना है तब से 200 का आंकड़ा ज्यादा समय नहीं रह पाता है मौजूदा अध्यक्ष देवनानी ने कई पूजा पाठ करा ली है विभिन्न द्वार के नाम बदल दिए हैं परंतु 200 का आंकड़ा ज्यादा समय नहीं रह पाया है अब विधायक जसवंत यादव के निधन के बाद फिर 199 विधायक रह गए हैं और इनका चुनाव होने तक फिर संख्या कम हो जाएगी ऐसी शंका जताई जा रही है।

### दिल्ली को मजबूत करते गहलोत।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ढाई साल तक राजस्थान में अपनी पकड़ कार्यकर्ताओं और संगठन पर मजबूत करने के बाद अब दिल्ली की ओर रुख कर लिया है कहते हैं पिछले दिनों दिल्ली रैली में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, इसके बाद गांधी परिवार से भी उनकी वन टू वन बात हो गई है, उनके सानिध्य में दिल्ली में हुई 2 दिन की नुक्कड़ नाटक कार्यशाला भी सफल रही और उसकी चर्चा पूरे संगठन में भी हुई। कहां जा रहा है कि उनके अनुभव और वफादारी का दिल्ली जल्दी ही उपयोग करना चाहती है।

### कारवां बढ़ने लगा।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का कारवां अब दिनों दिन बढ़ रहा है शनिवार को अलवर में दिवगंत विधायक जसवंत यादव के निवास पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने पहुंची राजे का लंबा चौड़ा काफिला देखने को मिला। एक दर्जन से ज्यादा वर्तमान और पूर्व मंत्री विधायक उनके साथ मौजूद थे वापस लौटते हुए जब वे हाईवे पर ओल्ड राव रेस्टोरेंट में खाना खाने रुकी तो उनसे मिलकर परिचय देने और फोटो खींचाने वालों की होड़ लग गई।

### उड़ता तीर

.....प्रदीप लोढ़ा

### मुकाबले का आएगा मजा।

लंबे समय से राज्य सरकार अपने 2 साल के कार्यकाल और कांग्रेस के 5 साल के कार्यकाल की विज्ञापन के जरिए तुलना कर रही थी, कांग्रेस का पक्ष आ नहीं पा रहा था पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अब हर शनिवार को बजट फाइल जारी करने का ऐलान करते हुए शनिवार को जल जीवन मिशन पर पहली फाइल जारी कर दी और खुलासा किया कि एक साल में हमने जो काम किया था भाजपा सरकार 3 साल में भी नहीं कर पाई है हाथों-भाजपा के मंत्री का जवाब भी आ गया। पब्लिक को मजा भी आया क्योंकि दोनों का पक्ष था और सच्ची बात निकल कर आई, इसलिए आने वाले दिनों में और भी मजा आएगा समाचार पत्र और टीवी पर भाजपा कांग्रेस में कुश्ती देखने को मिलेगी।

**ऑपरेशन खुशी-11** बाल दिवस पर अजमेर पुलिस ने परिवार के चेहरों पर लौटाई खोई मुस्कान

## नौ माह से लापता बालिका को अजमेर पुलिस ने नई दिल्ली से किया दस्तयाब

**जयपुर (हुक्मनामा समाचार)।** महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस की ओर से गुमशुदा एवं लापता नाबालिग बच्चों की तलाश और पुनर्स्थापना के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन खुशी-11 के तहत अजमेर जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस थाना गांधीनगर, किशनगढ़ की टीम ने नौ माह से लापता बालिका को नई दिल्ली से दस्तयाब कर उसके परिजनों से मिलवाया। बालिका की तलाश एवं दस्तयाबी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। विशेष बात यह रही कि बालिका ने अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर नाम-पता बदल लिया था और नई दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित किलकारी रेनबो होम फॉर गर्ल्स फाउंडेशन में रह रही थी।

**300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, 2286 मोबाइल नंबरों की सीडीआर का किया विश्लेषण** अजमेर पुलिस अधीक्षक श्री हर्षवर्धन अग्रवाला ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 19 फरवरी 2026 को बालिका के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद उसकी तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (सिविल राइट्स एवं एएचटीयू) के निर्देशन में संचालित ऑपरेशन खुशी-11 के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. लालचन्द कायल के निर्देशन एवं पुलिस उप अधीक्षक किशनगढ़ शहर श्री धर्मराज चौधरी के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी श्री अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार प्रयास किए। बालिका की तलाश के लिए पुलिस ने राजस्थान के जयपुर, खाटूश्यामजी, अलवर, कोटा, कोटपूतली, नागौर, सीकर, चूरू, जोधपुर, अजमेर एवं टोंक सहित अनेक जिलों में सघन अभियान चलाया।

इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के बरेली एवं आगरा, नई दिल्ली, भोपाल और रतलाम सहित विभिन्न शहरों के धार्मिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, बालिका गृहों, बाल कल्याण समितियों, सखी वन स्टॉप सेंटर, बचपन बचाओ संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठनों से संपर्क कर तलाश की गई।

पुलिस टीम ने बालिका की संभावित आवाजाही के मार्गों पर 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। वहीं थाना गांधीनगर एवं साइबर सेल अजमेर की तकनीकी टीमों ने करीब 2286 संदिग्ध मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल का विश्लेषण किया तथा इंस्टाग्राम, स्नैपचैट सहित विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर भी लगातार निगरानी रखी।